This resource was made possible through the support of the U.S. Agency for International Development (USAID) under the terms of the International HIV/AIDS Alliance's Award Number HRN-G-00-98-00010-00. The opinions expressed herein do not necessarily reflect the views of USAID.

International HIV/AIDS Alliance
Supporting Community Action on AIDS in Developing Countries

International HIV/AIDS Alliance
Queensberry House
104-106 Queens Road
Brighton BN1 3XF
United Kingdom

Tel: +44 1273 718 900
Fax: +44 1273 718 901

E-mail: mail@aidsalliance.org
Websites: www.aidsalliance.org
www.aidsmap.com

यह गाइड भारत में एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों के साथ कार्य करने वाली सरकारी व स्वयंसेवी संस्थाओं के कार्यकर्ताओं के लिए बनाई गई है। यह गाइड कार्य योजना, सामुदायिक स्तर पर क्रियान्वयन और नीति निर्धारण के लिए उपयोग में लाई जा सकती है।

अधिक प्रतियों के लिए नीचे दिये गये पते पर संपर्क करें।

चेतना
लीलावतीबेन लालभाई बंगला, सिविल कैम्प रोड, शाहीबाग, अहमदाबाद-380004, गुजरात, भारत
फोन : +91-79-22866695, 22868856, 22149938
फैक्स : +91-79-22866513, 22113005
ई-मेल : chetna@icenet.net
वेबसाइट : chetnaindia.org
प्रकाशन : चेतना

भारत के लिए गाइड

आओ रचें इन्द्रधनुष

एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों के साथ कार्य करने हेतु समुदाय आधारित मार्गदर्शिका

International HIV/AIDS Alliance
Supporting Community Action on AIDS in Developing Countries

ओवरव्यू

चेतना
चाईल्ड रिसोर्स सेन्टर
CRC चैतन

चेतना के बारे में...

चेतना (सेन्टर फॉर हेल्थ एज्युकेसन, ट्रेनिंग एन्ड न्युट्रीशन एवेरनेस) अहमदाबाद, गुजरात स्थित एक स्वयंसेवी सहायक संस्था है। जिसका ध्येय है विकास की धारा में पिछड़ीं हुई महिलाओं, युवावर्ग और बच्चों को ज्ञान व कौशल देकर अधिक सक्षम बनाना, जिससे वे स्वयं के, परिवार के और समुदाय के स्वास्थ्य और जीवन में सुधार ला सकें।

चेतना का उद्‌भव 1980 में हुआ था। अहदाबाद में और जयपुर, राजस्थान में चेतना के कार्यालय कार्यरत हैं।

वर्तमान में चेतना अपनी सेवाएँ दो संसाधन केन्द्रों द्वारा प्रदान कर रही है। बाल स्वास्थ्य एवं विकास संसाधन केन्द्र-चैतन व महिला स्वास्थ्य एवं विकास संसाधन केन्द्र-चैतन्या का आरंभ क्रमशः जून 1991 एवं अक्टूबर 1992 में किया गया। दोनों केन्द्र महिलाओं और बच्चों की आवश्यक्ताओं को सभी अवस्थाओं में सम्बोधित करते हैं। सरकारी एवं गैरसरकारी संस्थाओं की क्षमता वृद्धि हेतु प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन करना और जानकारी के प्रसार हेतु आवश्यक्तानुसार शिक्षा और प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना, चेतना की मुख्य गतिविधियाँ है।

अहमदाबाद में आयोजित प्रशिक्षण, चेतना के निवासीय व्यवस्था से सुसज्ज हेरिटेज प्रशिक्षण केन्द्र में आयोजित किये जाते हैं। चेतना संस्था में लीलावतीबेन लालभाई प्रवृति केन्द्र की शुरुआत की गई है। इस केन्द्र के द्वारा आसपास की कच्ची बस्तियों की महिलाओं एवं बच्चों की स्वास्थ्य और विकास लक्षी जरुरतें पूरी की जा रही है। शिक्षा एवं विकास में जुडी हुई संस्थाओं के साथ समन्वयन स्थापित करके महिलाओं, युवावर्ग एवं बच्चों के विकास के लिये उचित जीवन उपयोगी मार्गदर्शन, संदर्भ सेवाएँ एवं शालाओं में एच.आई.वी./एड्स की शिक्षा आदि उपलब्ध करवाई जाती है।

सरकारी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं तथा अन्य व्यक्तियों को जानकारी देने हेतु प्रलेखन केन्द्र भी आरंभ किया गया है। जिसका उपयोग स्वयंसेवी एवं सरकारी संस्थाएँ, विद्यार्थियों और शैक्षणिक संस्थाओं के साथ जुड़े हुए व्यक्ति अपनी समझ एवं ज्ञान बढ़ाने के लिये करते हैं। समाज के अधिक से अधिक बच्चों तक पहुँचने के लिये चेतनाने बाल केन्द्रित माहिती और प्रलेखन केन्द्र नवम्बर, 2003 में शुरु किया है।

जीना, शिक्षा, सुरक्षा और सहभागीता मेरे अधिकार है।

आभारोक्ती

इन्टरनेशनल एच.आई.वी./एड्स एलायन्स उन सभी के प्रति आभार व्यक्त करती है जिन्होंने इस गाइड को प्रकाशित करने में योगदान दिया है।

एशिया गाइड डेवलपमेन्ट ग्रुप के सदस्य

Kate Harrison, Programme Officer - Children, Claire Stern, Programme Assistant - Technical Support International for HIV/AIDS Alliance , Kathy Attwell - Independent Consultant, Minaxi Shukla, Deputy Director - (Child Resource Centre-CRC), Centre for Health Education, Training and Nutrition Awareness (CHETNA), Ms.Shruti Shah - School Health Consultant, CRC, CHETNA, Vaijyanti Bagwe, Madhavi Shinde - Committed Communities Development Trust, Ishdeep Kohli, Independent Consultant, Himalini Verma, Programme Officer - Thoughtshop Foundation, Ms. Nirmala Antony, Project Director - Young Women's Christian Association (YWCA), Neelam Dang, Secretary - Women's Action Group – Chelsea, Dr.Sangeeta Kaul - MAMTA, Ms. Veena Johri - Lawyers Collective HIV/AIDS Unit, Pratin Dharmarak, Deputy Director - Family Health International (Cambodia), Ma Kol Chenda - KHANA, Ms. Im Phallay- Independent Consultant, Uy Soung Chhan Sothy, Indradevi Association - IDA, Dr. Srey Mony, Project Manager - World Vision, Mr.San Van Din - Partners in Compassion, Mrs. Aing Chamroeun, Director - NAPA (National Prosperity Association), Neth San Sothy, Deputy Chief of BCC Unit - NCHADS, Cheng Choor Virith - SCUK Cambodia, Dr. Sok Sophal - Friends, Ms. Sum Sitha - CARE, Lim Vannak - C/o. KHANA, Chitima Saisaengjan (Oui), Programme Officer - AIDSnet (AIDS Network Development Foundation), Jarukanya Rearnkham (Awe), Programme Officer - AIDSnet (AIDS Network Development Foundation), Nisachol Ounjit - Medecins Sans Frontieres- Belgium, Ms. Wichitra Apateerapong, Research Nurse - HIV-NAT (The HIV Netherlands Australia Thailand Reseach Centre Collaboration, Kanyarat Klumthanom, Project Cordinator - Thailand MOPH-USCDC Collaboration (TUC), Ms. Suchada Suwanthes - NORTHNET Foundation, Montira Montiantong - Special Projects Office, Office of the National Primary Education Commission Ministry of Education, Srilada Ketwong, Manager - Foundation for Slum Child Care, Prudence Borthwick - UNICEF, Usa Khierwrod, Programme Officer - Help Age International, Sirinate Piyajitpirat, Manager - AIDSnet (AIDS Network Development Foundation) and **Community Workers and Counselors of International HIV/AIDS Alliance**.

हम चेतना टीम के सदस्य इन्दु कपूर, मीनाक्षी शुक्ल, पल्लवी पटेल, श्रुति शाह और ईला वखारिया के आभारी है, जिन्हों ने इस गाइड के रुपांतर में तथा सजावट के लिये अनिल गज्जर, रेखाचित्र के लिये नागजी प्रजापति और टाईप सेटींग के लिये इमरान उज्जैनवाला ने अपना योगदान दिया है।

इस गाइड का उपयोग किसी भी रुप में किया जा सकता है।
इसे एच.आई.वी./एड्स सम्बन्धित कार्यों से जुड़े कार्यकर्ता या संस्थाओं में बांटा, अपनाया अथवा अनुवादित किया जा सकता है।

International HIV/AIDS Alliance

इन्टरनेशनल एच.आई.वी./एड्स एलायन्स एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है जो १९९३ से विकासशील देशों में समुदाय आधारित कार्यक्रमों को सहयोग दे कर एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम, प्रभावित लोगों की देखभाल और बच्चों को सहयोग देने में अपना योगदान दे रही है। यह गाईड एलायन्स के वित्तीय व तकनीकी सहयोग से तैयार की गई है।

स गाइड का शीर्षक इन्द्रधनुष का प्रयोग क खास उद्देश्य से किया गया है। जिस कार इन्द्रधनुष के प्रकट होने के लिये शेष परिस्थितियों का होना जरुरी हैं, सी तरह एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित च्चों के विकास और देखभाल के लिये हायक वातावरण का होना आवश्यक है। म यह आशा करते हैं कि इन सात रंगों प्रयोग से पाठकों को इन बच्चों के हर श्न को पहचाने व ढूंढने में आसानी होगी।

गाइड के बारे में...

यह गाइड सात पुस्तिकाओं का समुह हैं जो समुदाय में खास कर एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों की जरुरतों को समझने हेतु बनाई गई है। इसका प्रयोग स्थानीय/स्वयंसेवी संस्थाओं, स्थानीय सरकार और समुदाय के लोगों द्वारा किया जा सकता है। इसे इन्टरनेशनल एच.आई.वी./एड्स एलायन्स ने USAID के आर्थिक सहयोग से तैयार किया है।

जून 2003 में चांग माई, थाईलैण्ड में इन्टरनेशनल एच.आई.वी./एड्स एलायन्स द्वारा आयोजित शिविर में थाईलैण्ड, कम्बोडिया और भारत में एच.आई.वी./एड्स से जुड़े मुद्दों पर और प्रभावित बच्चों के साथ काम करने वाली संस्थाओं और विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया था। इस शिविर के अंत में क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के लिये अंग्रेजी में यह गाइड तैयार की गई।

यह गाइड सहभागी पद्धति से और इन्टरनेशनल एच.आई.वी./एड्स एलायन्स के सलाहकारों के सहयोग से बनाई गई। इसे तैयार करते समय भारत, थाईलैण्ड और कम्बोडिया के सहभागियों ने अपने-अपने अनुभवों के आधार पर केस-स्टडी और उदाहरण उपलब्ध करवाए थे। इस समूह को इस गाइड में एशिया गाइड डेवलपमेन्ट ग्रुप के नाम से संबोधित किया गया है।

एशिया में राष्ट्रीय और स्थानीय उपयोग के लिए इस गाइड को भारत में अपनाया और अनुवादित किया गया। भारत के लिए तैयार की गई हिन्दी गाइड का रुपांतर और संकलन राष्ट्रीय सलाहकार के रुप में चेतना - सेन्टर फॉर हेल्थ एज्युकेशन, ट्रेनिंग एण्ड न्यूट्रीशन अवेयरनेस, अहमदाबाद, भारत द्वारा संपादित किया गया है। इस गाइड के हिन्दी रुपांतर के बाद चेतना द्वारा गाइड की सभी सात पुस्तिकाओं का रीव्यू तथा क्षेत्रीय परीक्षण किया गया। इसके रिव्यू में भारत के एशिया गाइड डेवलपमेन्ट ग्रुप के सदस्यों के अलावा संधान, यंग सिटीजन चेरीटेबल ट्रस्ट ऑफ इन्डिया, इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मेनजमेन्ट रिसर्च, नाज़ फाउन्डेशन, सेन्ट्रल हेल्थ एज्युकेशन ब्यूरो (CHEB) और चेतना टीम के सदस्यों द्वारा योगदान दिया गया। क्षेत्रीय परीक्षण दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों की सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं में किया गया।

गाइड में दी गई केस स्टडी में पात्रों के नाम और स्थान बदल दिये गये हैं। आम बोल चाल की भाषा में ज्यादा उपयोग होने वाले अंग्रेजी शब्दों को इस गाइड में अंग्रेजी में ही इस्तेमाल किया गया है।

इस गाइड में छः पुस्तिकाएँ और एक ओवरव्यू पुस्तिका शामिल हैं।

इस गाइड को कैसे उपयोग में लें?

इस गाइड के उपयोगकर्ताओं को तीन समूहों में विभाजित किया गया है।

पहला समूह वह है जो इन पुस्तिकाओं का सीधा उपयोग अपनी स्वयं की जानकारी बढ़ाकर समुदाय के लोगों को जानकारी देने के लिए करेंगे। इसमें हम बच्चे, क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्ति (Community workers), ए.एन.एम. (Auxiliary Nurse Midwife), एल.एच.वी. (Lady Health Visitor), मेल एम.पी.डब्ल्यू (Male Multi Purpose Worker), परामर्शदाता, बच्चों की देखभाल करने वाले, शिक्षक, माता-पिता, परिवार के दूसरे सदस्य, गृहमाताएँ, सामाजिक कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एच.आई.वी./एड्स प्रभावित लोग (PLWHA), पीयर ग्रुप आदि को शामिल कर सकते हैं।

दूसरे समूह में वे संस्थाएँ हैं जो इस कार्यक्षेत्र में काम करने वाले अपने साथियों को इन पुस्तिकाओं से जानकारी उपलब्ध करवाएंगे, जानकारी के विस्तृत उपयोग के बारे में चर्चा करेंगे और अमल करने लायक बिन्दुओं को उभारेंगे। साथ-साथ उसका सही दिशा में उपयोग करने के लिए अपने साथियों को प्रोत्साहित भी करेंगे। इस समूह में हम शिक्षक, प्रोजेक्ट को-ओर्डीनेटर्स, सी.डी.पी.ओ. (Child Development Project Officer), ब्लॉक डेवलपमेन्ट ऑफिसर, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, महिला मण्डल, जन प्रतिनिधि (पंचायत के नेता), स्व-सहायता समूह, स्थानीय समूह आदि को शामिल कर सकते हैं।

तीसरे समूह में वे शामिल हैं जो नीति निर्धारण की प्रक्रिया में अपना योगदान दे सकते हैं। जैसे कि नाको... (National AIDS Control Organisation - NACO), स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी, डायरेक्टर ऑफ एज्युकेशन, डायरेक्टर ऑफ हेल्थ सर्विसिस, मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एण्ड स्पोर्ट्स, इन्डियन नेटवर्क ऑफ पॉजिटिव पीपल (INP), एच.आई.वी./एड्स के मुद्दों पर काम कर रही स्वंयसेवी संस्थाएँ, पुलिस डिपार्टमेन्ट, लॉ एन्फोर्समेन्ट एजेन्सी (Judiciary), ट्रेड यूनियन के नेता, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, औद्योगिक एवं व्यवसायिक समूह (ITI), फेडरेशन ऑफ इन्डियन चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इन्डस्ट्री (FICCI), कन्फिडरेशन ऑफ इन्डियन इन्डस्ट्रीज (CII), अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ, इन्टरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन (ILO), संयुक्त राष्ट्र संघ से जुड़ी संस्थाएँ, प्रचार-प्रसार (मीडिया), राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), नेहरु युवा केन्द्र, नेशनल केडेट कोर (NCC), प्रशिक्षण संस्थाएँ जैसे कि नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ पब्लिक को-ओपरेशन एण्ड चाइल्ड डेवलपमेन्ट (NIPCCD), राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (NIHFW) आदि शामिल हैं।

- हम ऐसा मान कर चल रहे हैं कि इस गाइड के उपयोगकर्ताओं के पास एच.आई.वी./एड्स के बारे में प्राथमिक जानकारी उपलब्ध है परंतु सभी उपयोगकर्ताओं की एक समान समझ बनाने के लिये एच.आई.वी./एड्स के कुछ खास मुद्दे यहाँ दिये गये हैं।
- यह स्वयं पढ़कर उपयोग में लेने (Self-learning) के उद्देश्य से बनाई गई गाइड है।
- ओवरव्यू पुस्तिका में बार-बार पूछे जाने वाले कुछ प्रश्न और उनके उत्तर दिये गये हैं।
- ओवरव्यू पुस्तिका के अंत में अतिरिक्त जानकारी (संदर्भ डायरेक्टरी) दी गई है यह डायरेक्टरी भारत में एच.आई.वी./एड्स विषय में काम कर रही संस्थाओं और उपलब्ध सेवाओं के बारे में जानकारी देती है।

इस गाइड में निम्नलिखित पुस्तिकाएँ शामिल हैं

यहाँ दी गई प्रत्येक पुस्तिका कार्यक्रम के लिए कुछ खास समस्याओं, सिद्धांतों और रणनीतियों का वर्णन करती है। इसके साथ ही इनमें एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों के लिये उपयोगी गतिविधियों का भी उल्लेख किया गया है। ये रणनीतियाँ/गतिविधियाँ अंतरराष्ट्रीय सहभागियों के अनुभव के आधार पर बनाई गई हैं।

स्वास्थ्य और पोषण (Health and Nutrition)

इस पुस्तिका में एच.आई.वी./एड्स संक्रमण के फल स्वरुप बच्चों पर पड़ने वाले प्रभाव को भिन्न रुप से बताया गया है। प्रभावित बच्चों के स्वास्थ्य के लिए जोखिम ज्यादा क्यों है, उनके लिए कुपोषित हो जाना कैसे आसान है। इन समस्याओं से निपटने के लिए क्या सिद्धांत/रणनीतियाँ हो सकती हैं और उन्हें कैसे अमल में लाया जा सकता है इसका भी विवरण है। स्वास्थ्य के विषय को छूते हुए बच्चों के **जीने के** (Survival) और **विकास के** (Development) अधिकारों के बारे में भी चर्चा की गई है।

शिक्षा और प्रशिक्षण (Education and Training)

इस पुस्तिका में एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चे स्कूल में दाखिला क्यों नहीं लेते, बीच में ही स्कूल क्यों छोड़ जाते हैं अथवा ध्यानपूर्वक पढ़ाई क्यों नहीं करते इसका वर्णन है। भारतीय परिवेश को देखते हुए इसमें लड़कियों की स्थिति को खास उभारा गया है। पुस्तिका में बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा और व्यवसायिक प्रशिक्षण क्यों जरुरी है तथा इसके साथ साथ समस्याओं से निपटने के समाधान भी बताए गये हैं। बच्चों की शिक्षा और विकास के अधिकारों पर ज़ोर देकर अमल करने लायक बिन्दुओं को भी उभारा गया है।

रोजगार और आमदनी (Livelihoods and Economics)

इस पुस्तिका में इसका वर्णन है कि एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों, परिवारों और समुदाय की आर्थिक परिस्थिति कैसे खराब होती जाती है और साथ साथ यह परिस्थिति कैसे बहुत से खर्च बढ़ाती है। इस पुस्तिका में इसका विश्लेषण दिया गया है कि बच्चे बढ़ती गरीबी की वजह से कम शिक्षा, प्रशिक्षण और परिणाम स्वरुप कम आमदनी के चक्रव्यूह में कैसे फँसे रहते हैं। यहाँ इन समस्याओं से निपटने के लिए अपनाई जाने वाली रणनीतियों/गतिविधियों पर स्पष्ट रुप से चर्चा की गई है।

देखभाल और मानसिक-सामाजिक सहयोग (Care and Psycho-social Support)

बच्चों के मानसिक-सामाजिक सहयोग की जरुरतें उतनी ही महत्त्वपूर्ण हैं जितनी उनके स्वास्थ्य, आहार और आवास की जरुरतें। जो बच्चे एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित परिवारों में रहते हैं, जिन्होंने अपने माता-पिता को गँवा दिया है अथवा जो खुद एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित हैं उनकी देखभाल कैसे की जानी चाहिए, साथ ही उनकी मानसिक-सामाजिक जरुरतें क्या होती हैं, इसका वर्णन इस पुस्तिका में किया गया है। इन जरुरतों को पूरा करने में क्या मुश्किलें हैं और किन रणनीतियों को अमल में लाकर हम इनसे निपट सकते हैं इसका भी वर्णन किया गया है।

इस गाइड में निम्नलिखित पुस्तिकाएँ शामिल हैं

सामाजिक समावेश (Social Inclusion)

यह पुस्तिका एच.आई.वी./एड्स से सम्बन्धित लांछन/भेदभाव की बात करती है। एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों पर लांछन/भेदभाव का क्या असर होता है, उनका व्यवहार, जीवन, रोजगार, आमदनी, शिक्षा, स्वास्थ्य, आदि कई पहलू कैसे बदल सकते हैं इसका भी स्पष्ट वर्णन किया गया है। इस भेदभाव पूर्ण व्यवहार को समाज से दूर करने के लिए कौन-सी रणनीतियाँ/गतिविधियाँ अपनानी चाहिए इसका मार्गदर्शन इस पुस्तिका का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सुरक्षा (Protection)

अधिकांशतः यह देखा गया है कि एच.आई.वी./एड्स के परिणाम स्वरुप परिवार टूट जाते हैं और बच्चों को संस्थाओं में या अपने दूर के रिश्तेदारों के साथ रहना पड़ता है। एच.आई.वी./एड्स से पीड़ित बच्चों के पास कम शिक्षा या कौशल होने के कारण उन्हें कई बार सड़कों पर रहने के लिए मज़बूर होना पड़ता है। वयस्कों से देखभाल, प्रेम, सहयोग, जानकारी और स्वास्थ्य और शिक्षा सम्बन्धी सेवाओं की कमी के कारण बच्चे कैसे यौन शोषण, नशीली दवाओं और शराब जैसी आदतों में फंस जाते हैं इसका वर्णन इस पुस्तिका में है। ऐसे बच्चों को सुरक्षा देने के लिए कौन-सी रणनीतियाँ/गतिविधियाँ अपनाई जा सकती हैं इसका मार्गदर्शन इसमें दिया गया है।

प्रत्येक पुस्तिका को दो भागों में विभाजित किया गया है:

- **समस्याएँ (मुद्दे) :** यह हिस्सा दर्शाता है कि एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चे विकास की धारा से क्यों और कैसे पिछड़ जाते हैं। साथ ही साथ कार्यक्रमों को क्यों प्रभावित बच्चों की जरुरुतों पर ध्यान देना चाहिए। यह भी उभारने का प्रयास करता है।
- **सिद्धांत एवं रणनीतियाँ :** यह हिस्सा प्रभावित बच्चे, परिवार और समाज के सहयोग के लिए बनाये गये कार्यक्रमों को मजबूत बनाने के लिये सिद्धांत एवं रणनीतियों का वर्णन करता है।

एच.आई.वी./एड्स क्या है?

एच.आई.वी. (Human Immunodeficiency Virus)

एच.आई.वी. यानी ह्यूमन इम्युनो डेफिसियन्सी वायरस एक विषाणु का नाम है। यह विषाणु मानव शरीर में प्रवेश करके हमारी बीमारियों से लड़ने वाली शक्ति को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। 7-8 वर्ष तक यह विषाणु बिना एड्स का रुप लिए हमारे शरीर में रह सकता है। यह स्थिति कई बातों पर निर्भर करती है जैसे - उस व्यक्ति का खान-पान, व्यक्तिगत साफ सफाई, सुरक्षित यौन व्यवहार, संक्रमित रोगो से बचाव जैसे - टीबी/निमोनिया। हम किसी को सिर्फ देखकर नहीं बता सकते कि उसके रक्त में एच.आई.वी. मौजूद हैं या नहीं। यह खून की एच.आई.वी. जाँच के पश्चात प्राप्त हुए परिणाम से ही पता चल सकता है।

एड्स (Acquired Immunodeficiency Syndrome)

एड्स यानी एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिसियन्सी सिन्ड्रोम। यह अपने-आप में कोई बीमारी नहीं परंतु एक स्थिति है जिसमें एच.आई.वी. के कारण शरीर बीमारियों से लड़ने की शक्ति गँवा देता है। इस कारण से अनेक बीमारियाँ हमारे शरीर में प्रवेश कर जाती हैं और हमारे लिए जानलेवा बन सकती हैं। एड्स का कोई इलाज़ नहीं है पर इससे बचा जरुर जा सकता है।

एच.आई.वी./एड्स निम्न तरीकों से फैल सकता है:

- एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध (योनि, गुदा अथवा मुख द्वारा) स्थापित करने से।
- एच.आई.वी. संक्रमित सुई को गोंदने (टैटू), नशे का इन्जेकशन या अन्य सुई लगवाते समय अगर उबालकर जीवाणुमुक्त न किया जाये अथवा अगर नई सुई का प्रयोग न किया जाये।
- शरीर में एच.आई.वी. प्रभावित खून चढ़ने से।
- एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित महिलाओं द्वारा उनके बच्चों को गर्भावस्था के दौरान, जन्म के समय अथवा स्तनपान के ज़रिये।

एच.आई.वी./एड्स निम्न तरीकों से नहीं फैलता:

- एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित व्यक्तियों के साथ उठने-बैठने से, रहने से या उनके साथ घर, दफ्तर, खेल के मैदान जैसे सार्वजनिक स्थानों पर संपर्क में आने से।
- एड्स से प्रभावित व्यक्तियों के साथ खाने-पीने से, एक दूसरे के कपड़े पहनने या बर्तनों के इस्तेमाल से, शौचालय अथवा स्नानघर से, या फोन के इस्तेमाल से।
- थूक, पसीना या आंसुओं के संपर्क से।
- किसी भी प्रकार के कीड़े-मकोड़ों, मच्छर, खटमल या पिस्सुओं के काटने से।
- चुम्बन से, आलिंगन से, हाथ मिलाने से या छूने से।
- एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित व्यक्ति के साथ शारीरिक संबंध बनाए बिना।

निम्न तरीकों से फैल सकता है

निम्न तरीकों से नहीं फैलता

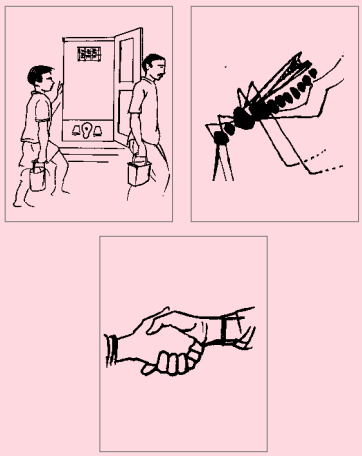

एच.आई.वी./एड्स क्या है?

एच.आई.वी./एड्स से बचने के लिए हम क्या कर सकते हैं?

एच.आई.वी./एड्स के बढ़ते प्रभाव को रोकने में हम सब महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, जैसे -

- हम असुरक्षित यौन सम्बन्ध से बचें, कन्डोम का उपयोग अवश्य करें।
- अपनी सुरक्षा का ध्यान रखें, नई सुई/सिरिन्ज अथवा 20 मिनट उबलते हुए पानी में उबाली हुई सुई/सिरिन्ज का ही प्रयोग करें।
- किसी कारणवश शरीर में खून चढ़ाने की आवश्यकता हो तो हमेशा जाँच करा हुआ एच.आई.वी./एड्स के विषाणु से मुक्त खून का ही उपयोग करें।
- एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित महिलाएँ गर्भाधान, प्रसव और स्तनपान के दौरान विशेष सावधानी रखें और डॉक्टर से सलाह मशवरा करें।
- हमारे संपर्क में आने वाले व्यक्तियों को मौका मिलने पर एच.आई.वी./एड्स के बारे में जानकारी दें।

भारत में एच.आई.वी./एड्स

एच.आई.वी./एड्स का प्रभाव समग्र मानव जाति, विशेष तौर से जन स्वास्थ्य की देखभाल करने वालों के समक्ष बहुत सी चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है। भारत की अर्थव्यवस्था तथा सामाजिक व सांस्कृतिक पहलुओं पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

नेशनल एड्स कन्ट्रोल ओर्गेनाइझेशनल (NACO) के अनुसार:

- 38.2 - 45.8 लाख भारतीय संक्रमित हैं।
- 14 साल से कम उम्र के 6.41 लाख बच्चे संक्रमित हैं।
- सन् 2002 में 6.1 लाख नये लोग है जो 2002 में संक्रमित हैं।
- वयस्को में व्यापकता - 0.8 प्रतिशत हैं।

संक्रमण के तरीके -

- 86.3 प्रतिशत - विविधतापूर्ण
- 2.82 प्रतिशत - माता-पिता से बच्चे को संक्रमण
- 2.41 प्रतिशत - खून एवं खून से सम्बन्धित
- 2.01 प्रतिशत - इंट्रावीनेस ड्रग्स का इस्तमाल
- 6.45 प्रतिशत - अज्ञात कारणों से

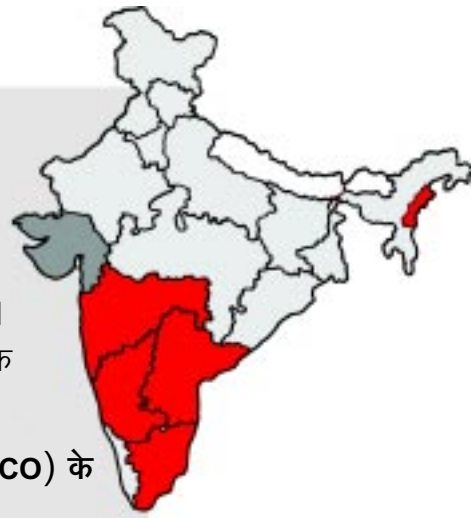

(<1%) Moderate Prevalence Rate

(>1%) High Prevalence Rate

समस्याएँ (मुद्दे)

पिछले कुछ वर्षों में यह पाया गया है कि भारत में एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित अनाथ बच्चों की संख्या काफी बढ़ रही है। ऐसे कुछ कार्यक्रम हैं जो इन बच्चों की भौतिक सुविधाओं की जरुरतों को पूरा करने पर तो ध्यान दे रहे हैं, परंतु उन जरुरतों पर बहुत कम ध्यान दिया जा रहा है जो उनकी शिक्षा, मानसिकता और भावनात्मकता से सम्बन्धित हैं। बच्चों को लांछन, भेदभाव, निंदनीय बर्ताव और शोषण से बचाना ये सभी अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू हैं और इनके लिए हमें मिलकर प्रयास करने होंगे।

ऐसे ही एक प्रयास के परिणाम स्वरुप इस प्रस्तुत गाइड को भारत में एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों के साथ काम करने वाली संस्थाओं एवं कार्यकर्ताओं के लिए हिन्दी में उपलब्ध कराया गया है।

समस्याओं की गहराई

वर्तमान में एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों की बढ़ती संख्या के कारण सामाजिक और पारिवारिक गरीबी को भी बढ़ावा मिल रहा है।

ऐसे बच्चे जिन्होंने माता या पिता अथवा दोनों को गँवा दिया हो उन्हें हम अनाथ बच्चे कह सकते हैं। "चिल्ड्रन ऑन द ब्रिन्क" के अनुसार सन् 2001 में एशिया में 6.5% बच्चे अनाथ थे। थाईलैण्ड और कम्बोडिया में एच.आई.वी./एड्स से अनाथ हुए बच्चों का औसत एशिया में सबसे ज्यादा है। सन् 2010 तक पूरे एशिया में एच.आई.वी./एड्स से अनाथ हुए बच्चों का प्रमाण 2.8% से 7.5% तक बढ़ने की संभावना है। भारत में एच.आई.वी./एड्स से अनाथ हुए बच्चों की संख्या लगभग 12 लाख के करीब है जिनकी संख्या अगले 10 वर्षों में लगभग 27 लाख के करीब पहुँचने की संभावना है। भारत में प्रति वर्ष एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित करीब 30,000 से ज्यादा नये केस सामने आ रहे हैं।

इस परिस्थिति के होते हुए भी, प्रभावित बच्चों की देखभाल - सहयोग पर अब तक कम ही ज़ोर दिया जा रहा है।

एच.आई.वी./एड्स का बच्चों पर प्रभाव

एच.आई.वी./एड्स का प्रभाव बच्चों के जीवन, स्वास्थ्य, विकास, शिक्षा, मनोरंजन और निंदनीय बर्ताव/दुत्कार से रक्षा जैसे अधिकारों को अनदेखा कर देता है। शारीरिक और आर्थिक शोषण के विरुद्ध अधिकार को भी रक्षण नहीं मिल पाता।

एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चे:

- कम आहार और कमज़ोर स्वास्थ्य पाते हैं।
- स्वास्थ्य-देखभाल सेवाओं तक उनकी पहुँच कम होती है।

मेरी कलम से...

भारत में बदलता हुआ पारिवारिक ढाँचा

भारत एक विशाल देश है जहाँ कई प्रकार की जाति, भाषा और धर्म के लोग रहते हैं। अलग-अलग जातियाँ - धर्म होने के बावजूद उनके सामुदायिक और पारिवारिक मूल्यों में काफी समानता है।

जब कोई छोटा बच्चा अपने माता-पिता को गँवा देता है तो ज्यादातर मामलों में उसके नज़दीकी रिश्तेदारों के साथ ही उसका गुजर-बसर होता है परंतु बढ़ती हुई गरीबी, बदलते हुए सामाजिक मूल्य और टूटती हुई संयुक्त परिवार प्रणाली के कारण अब ज्यादातर परिवार अपने रिश्तेदारों के अनाथ बच्चों की देखभाल करने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। इसके अतिरिक्त एच.आई.वी./एड्स के प्रति जागरुकता की कमी एवं प्रचलित गलत मान्यताओं के कारण भी इन बच्चों को अपने परिवारों में जगह नहीं दे पाते हैं।

समस्याएँ (मुद्दे)

- स्कूल में ठीक प्रकार से पढ़ नहीं पाते अथवा उनकी पढ़ाई छूट जाती है, खासकर लड़कियों की।
- उनकी औपचारिक शिक्षा/व्यवसायिक शिक्षा अधूरी रह जाती है और परिणाम स्वरुप उन्हें काम करने के अवसर नहीं मिलते।
- उन्हें छोटी उम्र में ही काम ढूँढना पड़ता है और अक्सर हानिकारक वातावरण में काम करना पड़ता है।

- पारिवारिक संपत्ति-जमीन से हाथ धोना पड़ सकता है।
- उन्हें लांछन, भेदभाव और सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता है जिससे वे उपेक्षा और निम्न आत्मसम्मान से ग्रस्त हो जाते हैं।
- कभी-कभी अपना घर-बार, स्व की पहचान और अपने भाई-बहनों से संपर्क भी गँवा देते हैं।
- लगाव, देखभाल और ध्यान की कमी महसूस करते हैं और अपने बारे में निर्णय लेने में असमर्थ होते हैं।
- उनके पास एच.आई.वी./एड्स के बारे में सही जानकारी भी नहीं होती।
- उनके पास निराशा का सामना करने के लिए भावनात्मक सहयोग की कमी होती है।
- लंबे अर्से तक मानसिक उलझनों में फँसे रहते हैं।
- नशीली दवाइयाँ, शराब और गलत रास्तों को अपना लेते हैं।
- कई बार शारीरिक शोषण, यौन व्यापार के भी शिकार हो जाते हैं।

मेरी कलम से... मुझे भी पढ़ना है....

मेरी उम्र 15 साल है। हम चार भाई- बहन है। मैं पढ लिखकर एन्जीनियर बनना चाहता हूँ। मेरे पिता को एड्स हुआ है। उन्होंने हम बच्चों को छोड़कर दूसरी शादी कर ली है, मेरी मां बहुत समय से बीमार और कमज़ोर है। उसके पास अब आमदनी का कोई ज़रिया भी नहीं है और वह हमारे भविष्य के लिए चिंतित रहती है। कई बार बीमारी की वजह से वह हमारे लिए खाना भी नही ला पाती। मैंने पढ़ाई छोड़कर परिवार की मदद करने के लिए पैसे कमाने का फैसला किया है। मैं अब साफ-सफाई का काम करता हूँ और कभी कभी सब्जियाँ ला कर बाजार में बेचने भी जाता हूँ।

एशिया गाइड डेवलपमेन्ट ग्रुप के सदस्य

समस्याएँ (मुद्दे)

एच.आई.वी./एड्स के बच्चों पर पड़ने वाले प्रभाव का आधार निम्न बिन्दुओं पर हो सकता है।

- उनकी उम्र और लिंग।
- उन्होंने माता अथवा पिता को गँवाया है।
- उनकी देखभाल करने वालों की अथवा दादा-दादी की उम्र और नज़रिया।
- स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सेवाओं तक उनकी पहुँच।
- बच्चों द्वारा अनुभव किया जाने वाला लांछन/भेदभाव।
- उनके नज़दीकी रिश्तेदार के घर में कुल सदस्यों की संख्या तथा उस परिवार की आमदनी/आर्थिक स्थिति।
- सरकारी सुरक्षा योजनाओं तक बच्चों की पहुँच जैसे समाज कल्याण (Social welfare) योजनाएँ।
- परिवार और समुदाय के कार्यों में बच्चों की सहभागिता।

एच.आई.वी. संक्रमण से बच्चों पर बढ़ता खतरा:

- एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों में कुपोषित होने की और अगर गंभीर स्थिति हो तो उनके मृत्यु की संभावना अधिक होती है।
- एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित लड़के-लड़कियाँ जो अपने आप को अथवा अपने भाई बहनों को आर्थिक सहयोग दे रहे हैं उनके पास रोजगार के लिए सीमित अवसर होते हैं। साथ ही उन्हें पढ़ाई भी छोड़नी पड़ती है और पैसे कमाने के लिए कभी-कभी असुरक्षित यौन संबंधों में शामिल होना पड़ता है।

रिश्तेदार के घर में झांकतें उपेक्षित बच्चे

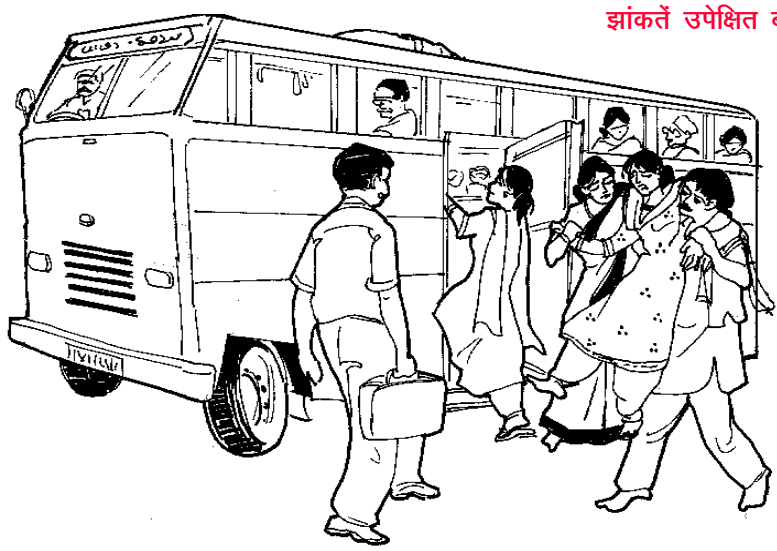

समस्याएँ (मुद्दे)

निर्दोषता की मृत्यु

हां! मुझे भारत के वेश्यागृह में बेचा गया था और अब मैं एच.आई.वी. से संक्रमित हूँ। क्या यह मेरा गुनाह है? अगर एक 9 साल की लड़की को नरक में रहने के लिए मजबूर किया जाए तो क्या यह उसकी गलती है? क्या यह मेरी इच्छा थी कि मैं अपने शरीर को बेचूं? मुझे मालूम है कि मैं अब जीवन के अंतिम मोड़ पर हूँ और जल्द ही मेरी मृत्यु होगी परंतु मैंने इसके खिलाफ लड़ने का फैसला किया है।

- बटुली, नेपाल (इस इन्टरव्यू के चार महिने बाद ही बटुली का देहांत हो गया था।)

- उन्हें अक्सर काम ढूँढने के लिये घर से बाहर जाना पड़ता है, जहाँ उनका यौन शोषण भी हो सकता है अथवा उन्हें जबरदस्ती यौन व्यापार में फँसाया जा सकता है।
- माता-पिता के प्रेम/स्नेह एवं मार्गदर्शन मे कमी को पूरा करने के लिये वे खुद भी कभी-कभी असुरक्षित यौन संबंध स्थापित कर लेते हैं।
- भारत के कई प्रांतों में बाल विवाह होते हैं। शिक्षा और जानकारी की कमी की वजह से किशोर-किशोरी यौन संक्रमण का शिकार बनते हैं।
- गरीबी, अवहेलना एवं दुर्व्यवहार के कारण कई बार बच्चे घर छोड़कर सड़कों पर रहने लगते हैं, जहाँ उनका बलात्कार और यौन शोषण होने का खतरा बना रहता है। इन बच्चों को वयस्कता से पहले ही यौन संबंध स्थापित करने के लिए मज़बूर किया जा सकता है।
- उन्हें नशीली दवाइयों/शराब की आदत लग सकती है, जिससे उनके द्वारा असुरक्षित यौन संबंध स्थापित करने की संभावना बढ़ जाती है।
- उन्हें सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता है।
- जो बच्चे स्कूल नहीं जाते उन्हें पढ़ाई और व्यवसायिक हुनर प्राप्त नहीं होते और जीवन में उचित व्यवसाय के बजाय बिना कौशल (Unskilled) मजदूरी में जुड़ जाते हैं।
- यौन संक्रमित रोग (STD), एच.आई.वी./एड्स के बारे में जानकारी, उनसे बचाव, कन्डोम क्या है, कैसे इसे इस्तेमाल करें, स्वास्थ्य सेवाएँ कहाँ से मिल सकती हैं आदि बातों को वे नहीं जानते।
- ज्यादातर किशोर और किशोरियाँ यौन सम्बन्ध दौरान कन्डोम का उपयोग नहीं करते अथवा करा पाते।

सिद्धांत एवं रणनीतियाँ

हमें सबसे पहले एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों, परिवारों और समुदायों की समस्याओं को समझने की जरुरत है। उसके बाद हमें यह पता लगाना चाहिए कि उनके पास कौन-कौन से संसाधन उपलब्ध हैं और वे अब तक किस प्रकार अपनी समस्याओं से मुकाबला करते आये हैं। सारी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कार्यनीति बनाते समय यहाँ दिये गये सिद्धांतों को ध्यान में रखें।

सिद्धांत - 1

बाल अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र संघ की महा सभा की घोषणा के अनुसार (UN Convention on Rights of the Child) यह तय किया था कि बच्चों के अधिकारों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और उनकी रक्षा भी की जानी चाहिए।

चार मुख्य अधिकार

संयुक्त राष्ट्रसंघ की सामान्य सभा के बच्चों के लिए विशिष्ट सत्र (UNGASS) में बच्चों के प्रति प्रतिबद्धता :

एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित/बिना माता-पिता के बच्चों की देखभाल और रक्षण के प्रति सरकार की भूमिका:

- सन् 2003 तक एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित/बिना माता-पिता के बच्चे, लड़के और लड़कियों को सहयोग और अनुकूल वातावरण देने के लिए सरकारी, पारिवारिक और समुदाय की क्षमताएँ बढ़ाने के लिए नीतियाँ और रणनीतियाँ बनाना।
- 2005 तक उन्हें क्रियान्वित करना। जिसमें कुछ जरुरी मुद्दें शामिल हो जैसे - अनुकूल परामर्श, मानसिक सहयोग, स्कूल में नामांकन, अच्छे आवास, अच्छा पोषण, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवाओं की उपलब्धि आदि। अन्य बच्चों की तरह इन बच्चों को भी सुविधाएँ उपलब्ध होनी चाहिये।

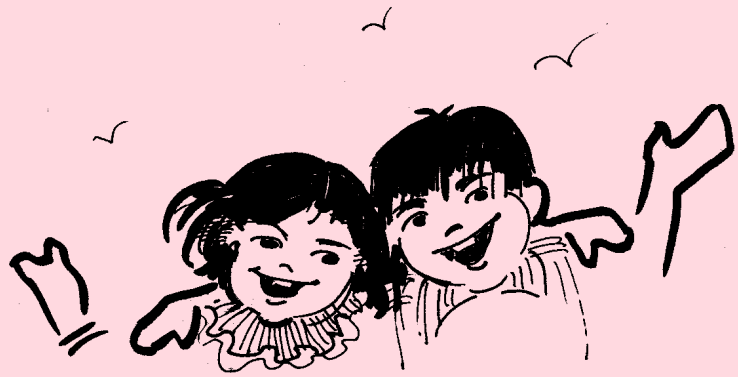

- इस घोषणा में बच्चों को हर प्रकार के निंदनीय बर्ताव, हिंसा, शोषण, भेदभाव, लांछन, देह व्यापार या लेनदेन से बचाना और उन्हें पैतृक संपत्ति से वंचित न रहना पड़े इसका ध्यान रखना (आर्टीकल-65) भी शामिल है।
- एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों को सारे मानवीय अधिकार बिना भेदभाव के मिलने चाहिए। इसके लिए सरल नीतियाँ एवं कार्यक्रमों को प्रोत्साहित और क्रियान्वित करके उन्हें लांछन रहित बनाने की दिशा में प्रयास करना।

सिद्धांत एवं रणनीतियाँ

आओ कानून सीखें...

(भारत में बच्चों के उत्तराधिकारों को सुरक्षित करने में लॉयर्स कलेक्टिव (Lawyer's Collective) परामर्श की सेवा उपलब्ध कराता है।)

अशोक ने अपने भाई की मृत्यु के बाद भतीजियों व भतीजों की देखभाल की जिम्मेदारी ली। वह उनके उत्तराधिकार को लेकर बहुत चिंतित था क्योंकि उसे डर था कि अन्य रिश्तेदार उन बच्चों का हक छीन लेंगे। लॉयर्स कलेक्टिव ने इस मामलें में उन बच्चों की गार्डीयनशिप के लिए अर्जी देने में एवं कोर्ट में याचिका दायर करने में उनकी मदद की जिससे अन्य रिश्तेदार सम्पत्ति को बेच न पाएँ।

अन्य एक केस में वकीलों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अनाथ बच्चों को उनका पारिवारिक घर उनके नाम से करवाने में मदद की।

एशिया गाइड डेवलपमेन्ट ग्रुप के सदस्य

कार्य के लिये रणनीतियाँ

- सरकार एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों की रक्षा करें और उन्हें जरुरी सेवाएँ उपलब्ध करवाए। इसके लिए पैरवी करें।
- बच्चों को शोषण और निंदनीय बर्ताव से बचाने के लिए सरकारी कानून और रणनीतियों के लिए पैरवी करें।
- समुदाय में बच्चों के अधिकारों के बारे में जागरुकता बढ़ाएँ और समुदाय को इनकी रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध करें।
- लिंग-भेद के बारे में जागरुकता बढ़ाएँ, खासकर महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों पर ध्यान दें।
- लांछन और भेदभाव दूर करने के लिए समाज, स्कूल, स्वास्थ्य सेवाएँ और अन्य संस्थाओं के साथ काम करें।
- एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों पर ध्यान देने के साथ-साथ उन सभी बच्चों की सहायता करें जो कठिन परिस्थितियों में रह रहे हैं।

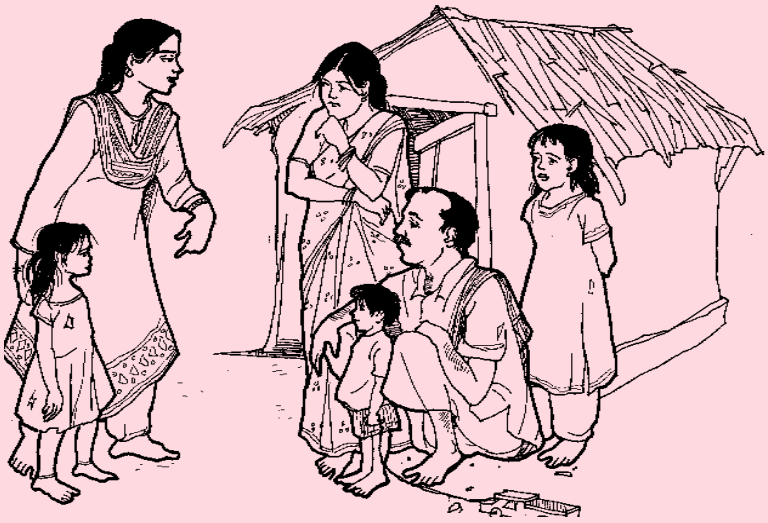

आपकी भतीजी अगर आपके साथ रहेगी तो खुश रह पायेगी।

सिद्धांत एवं रणनीतियाँ

सिद्धांत - 2

परिवारों की क्षमता बढ़ानी चाहिए।

एच.आई.वी./एड्स के संक्रमण से कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे परिवारों के लिए उनका अपना परिवार और नज़दीकी रिश्तेदारों का परिवार ही उनकी प्राथमिक सुरक्षा कवच होता है। जो बच्चे अपने माता-पिता को गँवा देते हैं, वे अक्सर अपने नज़दीकी रिश्तेदार के परिवार के साथ रहते हैं, जैसे दादा-दादी और चाचा-चाची। ऐसी देखभाल और अपनेपन वाले वातावरण में ही बच्चे अच्छा विकास और देखभाल पा सकते हैं। कार्यक्रमों द्वारा ऐसे प्रयासों को मान्यता एवं बढ़ावा देना चाहिए जिससे कि ज्यादातर एच.आई.वी./एड्स प्रभावित बच्चे अपने परिवारों के साथ ही रह सकें।

कार्य के लिये रणनीतियाँ

- परिवारों को सहयोग/मार्गदर्शन दें।
- समस्याओं के हल ढूँढने के लिये बनाए जाने वाले समूहों में प्रभावित परिवारों के सदस्यों जैसे माता-पिता, दादा-दादी आदि को शामिल करें।
- परिवारों को संपूर्ण सहयोग दें, खासकर उनकी आर्थिक समस्याओं को सुलझाने एवं बच्चों को मानसिक और भावनात्मक सहयोग देने की क्षमता को बढ़ाएँ।
- परिवारों को आत्मनिर्भर बनाएँ ताकि वे दूसरों पर निर्भर न रहें और कार्यक्रमों में अपना योगदान दे सकें।
- परिवार को स्व-सहायता समूह बनाने और उसमें जुड़ने के लिये प्रोत्साहित करें और उन्हें सहयोग दें।

कार्यक्रम तय करते समय हम यह अवश्य ध्यान रखें कि ज्यादातर बच्चों की जरुरतें एक जैसी होती हैं परंतु यह उनकी उम्र/जाति के अनुसार बदल भी सकती हैं।

सिद्धांत एवं रणनीतियाँ

सिद्धांत - 3

समुदाय की सहभागिता को प्रोत्साहन मीलना चाहिए।

एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों और परिवारों के लिए समुदाय सबसे महत्त्वपूर्ण संसाधन है। ऐसे कार्यक्रम बनाएँ जो समुदाय को गतिशीलता दें और उनको सशक्त बनाएँ। इससे समुदाय प्रभावित बच्चों की जिम्मेदारी लेने में सक्षम होगा और उन परिवारों को सहयोग दे सकेगा जो प्रभावित बच्चों की देखभाल करते हैं।

कार्य के लिये रणनीतियाँ

- समुदाय के संपूर्ण विकास को बढ़ावा दें (न कि सिर्फ एच.आई.वी./एड्स पर ध्यान केन्द्रित करें) और समुदाय के प्रयासों को उपलब्ध सेवाओं में शामिल करें।
- समुदाय के साथ मिलकर प्रभावित बच्चों और परिवारों की पहचान करें, उनकी जरुरतों को समझें और सहायता के लिए सही तरीके अपनाएँ।
- प्रभावित बच्चों और परिवारों के लिए सहयोगपूर्ण वातावरण बनाने के लिए समुदाय को प्रोत्साहित करें।

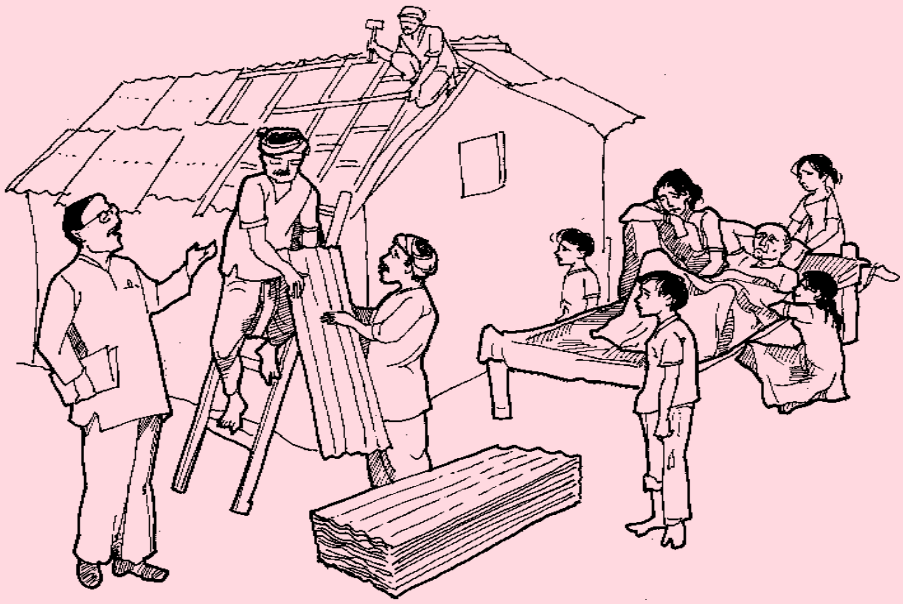

- एच.आई.वी./एड्स प्रभावित बच्चों की देखभाल करने के लिए समुदाय को प्रोत्साहित करें एवं सक्षम बनाएँ।
- समुदाय में उपलब्ध क्षमताएँ और संसाधनों के उपयोग को प्राथमिकता दें और उन्हें मजबूत बनाएँ। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि समुदाय द्वारा शुरु एवं प्रोत्साहित की गई गतिविधियों को नज़रअंदाज न किया जाएँ।
- समुदाय के मूल्य और पारम्पारिक मूल्यों के अनुसार अपना रवैया/नीतियाँ तैयार करें व उनका आदर करें।
- बच्चों और परिवारों की विभिन्न जरुरतों को पूरा करने के लिये विविध क्षेत्रों के संगठनों को बढ़ावा दें जिसमें हर स्तर पर समन्वय हो।

सिद्धांत एवं रणनीतियाँ

सिद्धांत - 4

स्व-सहायता के लिये बच्चों की क्षमता बढ़ानी चाहिए।

ऐसे कार्यक्रम बनाएँ जिसमें बच्चे अपनी जरुरतों को बता सकें एवं उन्हें पूरा करने के लिए सक्षम बन सकें। बच्चों को अवसर दिये जाएँ ताकि वे अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ा कर अपनी जिंदगी के बारे में निर्णय ले सके।

कार्य के लिये रणनीतियाँ

- तय करें कि बच्चे अपने अधिकारों के बारे में जानें।
- समस्या को पहचान कर उनके हल ढूँढने में, आयोजन में, योजना तैयार करने में और उस पर अमल करने में बच्चों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।
- यह सुनिश्चित करें कि शिक्षा, परामर्श (Counselling) और दूसरे सभी सहयोगपूर्ण कार्य में मित्र मंडली सहभागी हो।
- बच्चों की शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण की जरुरतों को पूरा करें।
- बच्चों की मानसिक/भावनात्मक देखभाल की जरुरतों को पूरा करें और उन्हें व्यावहारिक और आर्थिक सहयोग भी दें।
- बच्चों के भविष्य के बारे में आयोजन करते समय उन्हें जरुर शामिल करें, उनसे सलाह मशवरा करें।
- एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों को जीवनोपयोगी जानकारी तथा शिक्षा दे एवं आवश्यक सेवाओं तक उनकी पहुँच बढ़ाएँ।

मेरी कलम से... परामर्श का चमत्कार

शुरु में जब हमें मालूम पड़ा कि हम एच.आई.वी./एड्स से संक्रमित हैं तो मैं और मेरी पत्नी आघात और दुख से टूट पड़ें। बाद में हमने तय किया कि हम इस परिस्थिति का सामना करेंगे। जब मैं वापस नौकरी पर गया तो मुझे पता चला कि मुझे नौकरी से निकाल दिया गया है। एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित लोगों के साथ जुड़े हुए भेदभाव/लांछन का मुझे भी अनुभव हुआ।

मैने एक स्वयंसेवी संस्था के कार्यकर्ता की मदद से मेरी संस्था के लगभग 800 लोगों के लिये परामर्श सत्र आयोजित करवाये। काफी समय बाद एच.आई.वी./एड्स के बारे में लोग जानने लगे तो मुझे वापस नौकरी पर स्वीकार कर लिया गया।

- रवी. मैम्बर ऑफ मिलान, बेंगलूर

कार्यक्रमों के क्रियान्वयन से मिली सीख:

- समुदाय का स्वामित्व (Ownership) महत्त्वपूर्ण होता है और इसमें सारे सेवा प्रदाताओं को शामिल करना चाहिए।
- आवश्यकताओं और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर ही कार्यक्रम बनाएँ। वही रणनीति अपनाएँ जो उपलब्ध प्रणाली और मूल्यों पर आधारित हो जैसे गृह मुलाकात करना।
- उपलब्ध सेवाओं से ही शुरुआत करें, जैसे धार्मिक संस्थाओं से सहयोग और जुड़ाव रखें।
- समुदाय से उपयुक्त स्वैच्छिक कार्यकर्ता ही चुनें जो विश्वसनीय हों और ज्यादा वेतन की आशा न रखते हों।
- जो सहायता हम नहीं दे सकते उसके बारे में समुदाय की अपेक्षाएँ न बढ़ाएँ।
- शहरी क्षेत्रों में समुदाय की सहभागिता पाना ज्यादा कठिन कार्य होता है।
- कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करते समय यह ध्यान रखें कि हमें समुदाय का पूर्ण जुड़ाव मिले। उदाहरण के लिए कृषि कार्य से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण महीनों में गतिविधि का आयोजन न करें।
- समुदाय के प्रचलित व्यवहारों/मान्यताओं को बदलते समय संतुलित रवैया अपनाएँ जैसे यौन शिक्षा तथा बच्चे की सहभागिता।

कुछ और रणनीतियाँ

यह विभाग ऐसी अन्य रणनीतियों की चर्चा करता है जो सरलता से अपनाई जा सकती हैं।

1. बच्चों और परिवारों के लिए अनुकूल वातावरण बनाना।

अनुकूल वातावरण बनाते समय हमें बच्चों के मूलभूत अधिकारों को ध्यान में रखना चाहिए। पहले यह सुनिश्चित करें कि सारे बच्चों के साथ एक जैसा व्यवहार हो, उनके परिवार, समुदाय और पारिवारिक मूल्यों के महत्त्व को पहचाना जाए। बच्चों के जीने के, सुरक्षा, विकास/शिक्षा और सहभागिता के अधिकारों को ध्यान में रख कर ही निर्णय लिये जाएँ। इन्हीं को आधार मान कर नीतियाँ बनाई जानी चाहिएँ, उनकी पैरवी होनी चाहिए और उनका अवलोकन भी होना चाहिए।

बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने का अर्थ है अधिकारों को समझने में और क्रियान्वित करने में समुदाय को शामिल करना। यह भी जरुरी है कि बच्चों की देखभाल करने वाले सदस्य एवं बच्चे स्वयं अपने अधिकारों से परिचित हों और उन्हें क्रियान्वित कर सकें।

एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों के प्रति लांछन/भेदभाव को मिटाने एवं अनुकूल वातावरण बनाने के लिए जानकारी और जागरुकता बढ़ाना, बाल अधिकार सम्बन्धित कायदे कानून बनाना, नीति निर्धारकों में इन अधिकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है।

इन जरुरतों को पूरा करने के लिए सरकारी और राजकीय इच्छा भी जरुरी है जैसे प्राथमिक शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य सेवाएँ, पानी-पर्यावरण स्वच्छता आदि के लिये सरकारी प्रतिबद्धता और वित्तीय सहायता का समय पर उपलब्ध होना। परिवार और समुदाय हमेशा बिना माता-पिता के और एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों की मदद करे यह संभव नहीं है, अतः इसके लिए कुछ कायदे कानून और नीतियाँ होनी चाहिएँ जिससे ऐसे बच्चों को रक्षण मिल सके।

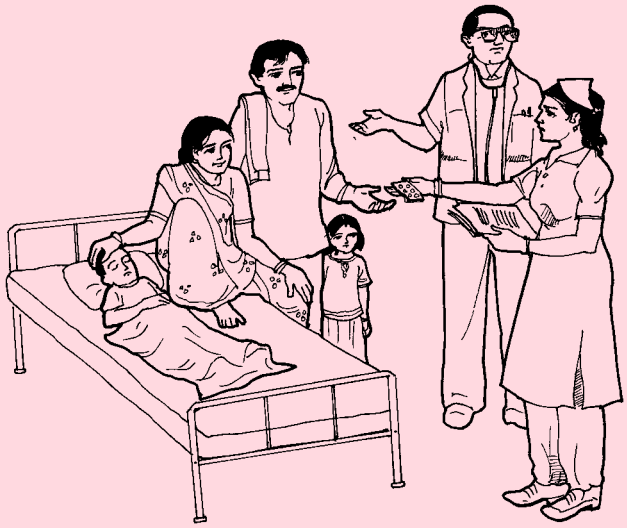

नर्स, इनको अच्छे से अच्छी देखभाल मिलनी चाहिये।

मेरी कलम से... मुझे भी जीने का अधिकार है...

मेरा नाम लुन है, मैं मणीपुर से हूँ पर अब दिल्ली में रहता हूँ। 1997 में मुझे मेरे एच.आई.वी. संक्रमण का पता चला। जब मैं पूना के अस्पताल में था तब वहां लांछन/भेदभाव युक्त वातावरण/व्यवहार मैंने महसूस किया। नर्स मेरे बिस्तर के पास नहीं आती थी दूर से ही दवाई फेंक देती थी। डॉक्टर भी जितनी जल्दी हो सके मेरे पास से हट जाने के लिये उत्सुक रहते थे।

दिल्ली के अस्पताल में भी हमेशा दवाइयाँ उपलब्ध नहीं होती थी। सरकार द्वारा हाल ही में किये गये आयोजन से मुझे मुफ्त दवाइयाँ मिलने की आशा है।

एशिया गाइड डेवलपमेन्ट ग्रुप के सदस्य

कुछ और रणनीतियाँ

उदाहरण स्वरुप :

- बच्चों को शोषण एवं हानिकारक मज़दूरी से सुरक्षा मिले।
- महिलाओं और बच्चों के आनुवंशिक अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए।
- बच्चों को शारीरिक, मानसिक और यौन शोषण से सुरक्षा मिलनी चाहिए।
- शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने में उन्हें भेदभाव का सामना न करना पड़े।

- जहाँ तक संभव हो संस्थाओं में रहने वाले बच्चों को परिवारों/समुदायों में शामिल किया जाए जिससे उनका किसी भी तरह से शोषण न हो सके।

इस तरह सरकार द्वारा ऐसे कार्यक्रम बनाएँ जाने चाहिए जो शोषित और समाज द्वारा तिरस्कृत बच्चों को संरक्षण दे सके।

2. लड़के-लड़कियाँ दोनों के प्रति संवेदनशील बनें।

ऐसे कार्यक्रम/कायदे कानून बनाए जाने चाहिए जिनसे एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित लड़के-लड़कियों और युवा वर्ग के शोषण और तिरस्कार को मिटाया जा सके। उनकी शिक्षा और दूसरी सेवाओं तक पहुँच भी बढ़ाएँ। इस तरह के कार्यक्रमों से युवा एवं लड़के-लड़कियाँ सक्षम बन सकते हैं, अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं, निर्णय लेने में सहभागी बन सकते हैं, अपनी जानकारी हुनर/कौशल को बढ़ा सकते हैं और समुदाय द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

कुछ और रणनीतियाँ

मेरी कलम से...

समन्वय और सहभागिता बनाएँ रखने में सरकार, स्वयंसेवी संस्थाएँ, समुदाय, स्कूल, धार्मिक संस्थाओं की भूमिका अहम है।

3. समन्वय और सहभागिता

कई समुदाय और संस्थाएँ एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम के लिए कार्य कर रही हैं। ऐसे कार्यक्रम प्रभावित बच्चों/परिवारों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। जैसे बिना माता-पिता के बच्चे और प्रभावित बच्चों के कार्यक्रमों को घरेलू/देखभाल कार्यक्रमों के साथ शामिल करना।

ऐसे कार्यक्रम बनाने चाहिए जो कि एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चे और परिवारों की स्वास्थ्य, पोषण, मानसिक/भावनात्मक, शिक्षा और आर्थिक जरुरतों को समुचित (Holistic) रुप से पूरा करें। अधिकांश संस्थाएँ इनमें से कुछ ही सेवाएँ उपलब्ध करा पाती हैं। बच्चों की जरुरतें इतनी ज्यादा हैं कि इन्हें एक या दो-चार संस्थाओं द्वारा नहीं परंतु आपसी साझेदारी और नेटवर्क से ही पूरा किया जा सकता है।

कार्यक्रमों में विविध क्षेत्रों को जोड़ते हुए सबकी सहभागिता और नेटवर्क से रेफरल सेवाओं को जोड़ा जा सकता है। इसमें सरकारी सेवाएँ, स्वयंसेवी संस्थाएँ, समुदाय आधारित संस्थाएँ और समुदाय खुद हिस्सा ले सकते हैं। स्कूल की भूमिका पर ज़ोर दे कर उसे खासतौर से उभारा जा सकता है। साझेदारी ऐसी होनी चाहिए जहाँ लचीलापन हो, अच्छा तालमेल हो, लोकतांत्रिक प्रक्रिया हो और जहाँ प्रयासों को दोहराया न जाये।

मेरी कलम से...

क्या मैं यहाँ पढ़ सकती हूँ?

दिल्ली स्थित एक स्वयंसेवी संस्था चेल्सिया ने कुछ एच.आई.वी. संक्रमित बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाया हैं। स्कूल के प्राचार्य को बच्चों की स्थिति के बारे में मालूम है। अगर इन बच्चों को किसी भी स्वास्थ्य सहायता की जरुरत पड़ती है तो वे चेल्सिया संस्था को फोन कर देते हैं और डॉक्टर को बुला लेते हैं। इन बच्चों के लिए स्कूल की फीस भी कम रखी गई है।

एशिया गाइड डेवलपमेन्ट ग्रुप के सदस्य

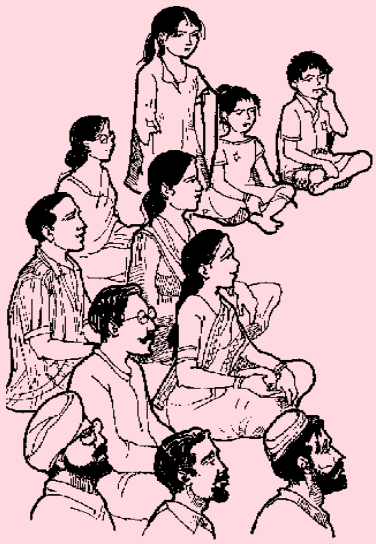

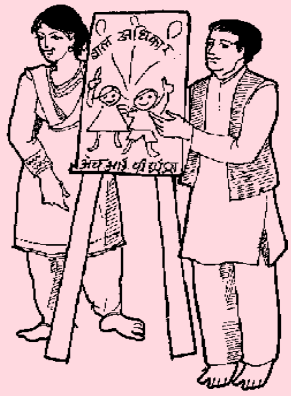

आओं... हम सब साथ मिलकर बच्चों के साथ काम करें।

जहाँ तक संभव हो सके प्रभावित बच्चों के कार्यक्रमों को उपलब्ध सेवाओं से जोड़ा जाना चाहिए, जैसे समाज कल्याण, कृषि कार्य, शिक्षा, स्वयंसेवी संस्थाएँ, धार्मिक संस्थाएँ, व्यापारिक संस्थाएँ और सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएँ।

कुछ और रणनीतियाँ

4. बच्चों और परिवारों पर एच.आई.वी./एड्स के प्रभाव की निगरानी करें।

एच.आई.वी./एड्स का समुदाय पर पड़ने वाला प्रभाव बदलता रहता है। नीतियाँ और कार्यक्रम बनाने के लिये इस प्रभाव का समय-समय पर अवलोकन जरुरी है। साथ ही यह भी जरुरी है कि कार्यक्रम अपने योगदान की निगरानी एवं मूल्यांकन करें, जिससे ज्यादा असरकारक तरीके ढूँढ़े जा सके और कम खर्चीली गतिविधियों के माध्यम से ज्यादा फायदा पाया जा सके। इस तरह के मूल्यांकन करते समय गुणवत्ता (Qualitative) और संख्या (Quantitative) दोनों पहलुओं को ध्यान में रखना चाहिए।

कार्यक्रमों द्वारा बच्चों की अधिक से अधिक जरुरतें पूरी हो सकें इसके लिये अनुसंधान (Research) भी जरुरी है। उदाहरण के तौर पर बिना माता-पिता के और एच.आई.वी./एड्स प्रभावित बच्चों के बदलते स्थल और इनका बहिष्कार होने से उन पर पड़े प्रभावों पर अनुसंधान।

5. एच.आई.वी./एड्स संक्रमण की रोकथाम।

- बच्चों व किशोर/किशोरियों के लिये स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने वाले स्वास्थ्य केन्द्र और स्कूल के बीच आपसी समन्वय को बढ़ावा दें।
- ज्ञान और जागरुकता बढ़ाने के नये तरीके ढूँढे, आत्मविश्वास, संप्रेषण और निर्णय शक्ति बढ़ाने के प्रयास करें। (जीवनोपयोगी शिक्षा)
- स्कूल के स्तर पर एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम के लिए जीवनोपयोगी शिक्षा और यौन शिक्षा के लिये युवा समूहों को प्रशिक्षित करें और स्कूल के पाठ्यक्रम में इसे शामिल करें। स्कूली लड़के-लड़कियों को यौन शोषण से बचाने के लिये शिक्षकों का चयन सावधानी पूर्वक करें।
- युवा वर्ग में यौन संक्रमण रोकने के लिये एवं परिवार नियोजन के लिए उचित मैत्रिपूर्ण (Youth friendly) सेवाएँ उपलब्ध करवाएँ। इसके लिये जरुरी है कि जागरुक और प्रशिक्षित स्वास्थ्य/सामुदायिक कार्यकर्ता हों। सेवाओं के लिये निश्चित समय में लचीलापन रखा जाये और बच्चों व किशोर/किशोरियों के लिये कुछ विशेष सत्रों का आयोजन किया जाये। यदि संभव हो तो युवा मित्रों (Peer educator) को नियुक्त करें और प्रशिक्षित करें जिससे वे स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं जरुरतमंद व्यक्ति के बीच सेतु/पुल का कार्य कर सकें।
- ऐसी संस्थाओं के साथ समन्वय/साझेदारी बढ़ाएँ जो अनाथ बच्चों तथा बिना माता-पिता के एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों के साथ एवं बच्चों के यौन शोषण को रोकने के लिये काम करती हो।

मेरी कलम से...

धार्मिक संस्थाओं की भूमिका

एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित बच्चों के सहयोग के लिये धार्मिक नेता समुदाय को जागरुक कर सकते हैं। धार्मिक संस्थाओं द्वारा स्वैच्छिक कार्यकर्ता और समुदाय को प्रोत्साहित कर के समुदाय में व्यवसायिक प्रशिक्षण और आय संवर्धन के कार्यक्रम लागू किये जा सकते हैं।

कुछ और रणनीतियाँ

- बाल यौन शोषण के बारे में समुदाय में जागरुकता बढ़ाएँ। इसके लिए नीति निर्धारकों, स्कूलों, सामुदायिक एवं धार्मिक नेताओं और माता-पिता, इन सबके साथ काम करें। संस्थाओं में किये जाने वाले यौन शोषण के विरुद्ध ठोस कदम उठाएँ, पुलिस सहयोग लें और फॉलोअप करें।

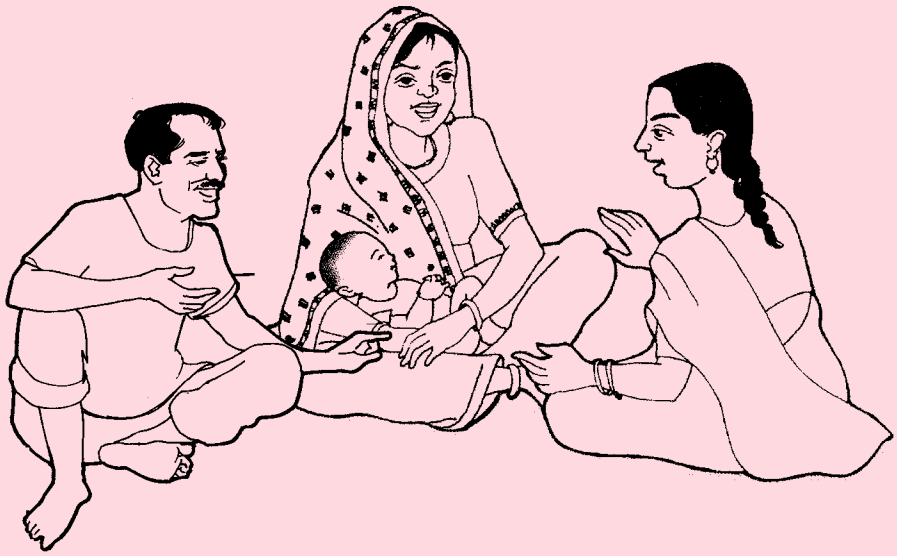

- कुछ ऐसे नवीन तरीकों को अपनाएँ जिससे कन्डोम की उपलब्धि आसान बने और उसके उपयोगकर्ता की गुप्तता बनी रहे।
- यौन शोषण का शिकार हुए बच्चों की सहायता करें जैसे उन्हें कानूनी कार्यवाही उपलब्ध करवाएँ और उसे सरल/आसान बनाएँ। इनके लिए परामर्श सेवाएँ और सहायता भी उपलब्ध करवाएँ।
- कार्यकर्ताओं में एच.आई.वी./एड्स के प्रति व्याप्त डर और नकारात्मक नज़रिये को दूर करने का प्रयास करें।
- स्वैच्छिक परामर्श और परीक्षण सेवाओं को मज़बूत बनाएँ और उन्हें प्रोत्साहित करें।
- समुदायों को लिंगभेद के विषय में जागरुक करें जिससे परम्परा के आधार पर लड़कियों के प्रति भेदभावपूर्ण व्यवहार न हों, उन्हें उनके अधिकार मिलें। लड़कों को भी कामकाज़ी जिम्मेदारियों के साथ-साथ घरेलू कामकाज में भी सहयोग देने के लिये सक्षम बनाएँ। शोषण और तिरस्कार से मुक्त वातावरण तैयार किया जाये।
- एच.आई.वी./एड्स के संक्रमण से जुड़े सामाजिक रीति-रिवाजों एवं कुरीतियों के बारे में जागरुकता बढ़ाएँ तथा इन्हें दूर करने का प्रयास करें। इसके लिए नुक्कड़ नाटक, रोल-प्ले और लोक गीतों का सहारा लें।
- समुदाय के स्तर पर बाल सुरक्षा समितियाँ बनाएँ।

मेरी कलम से...

स्व-सहायता

ग्यारह साल के एक बच्चे के माता-पिता की एड्स से मृत्यु हो गई है, उसके दो छोटे भाई-बहन भी हैं। वे तीनों एच.आई.वी. से संक्रमित हैं। इस बच्चे ने अपने पड़ोसी की मदद से सिलाई काम सीखना शुरु किया और उसने अपने भाई-बहनों की जिम्मेदारी संभाल ली है। वह कहता है कि मैं मेरे भाई-बहनों को भीख नहीं मांगने दूंगा।

एशिया गाइड डेवलपमेन्ट ग्रुप के सदस्य

मेरी कलम से...

स्वयंसेवी संस्था का सहयोग

एच.आई.वी. संक्रमण से एक परिवार ने दो बच्चे गँवा दिये हैं। पति काम करने की शक्ति गँवाता चला गया और साइकिल भी नहीं चला पाता। तीसरा बच्चा भी संक्रमित और बीमार रहता है। परिवार निराश हो कर आत्महत्या करने की कोशिश कर रहा था। ज्ञान दिपम ग्लोबल फाउन्डेशन ने इस परिवार को पूर्ण सहयोग दिया जिससे पति अब काम करता है और साइकिल भी चला लेता है। पत्नी भी अब ठीक होने लगी है। उसकी आँखों की बीमारी और हताशा धीरे धीरे दूर होती जा रही है।

कुछ और रणनीतियाँ

एच.आई.वी./एड्स सम्बन्धित जीवनोपयोगी शिक्षा याने

- अपनी भावनाओं पर काबू पाना और उन्हें दूसरों तक पहुँचाने की संप्रेषण शक्ति विकसित करना।
- अपने मित्रों के दबाव से निपटने की क्षमता पैदा करना जिससे खुद को अनैच्छिक यौन सम्बन्ध, शराब/नशीली दवाइयों के सेवन से बचाया जा सके।
- अपने यौन सम्बन्ध के बारे में निर्णय लेना सीखना।
- सुरक्षित यौन सम्बन्ध बनाने के लिए अपने साथी को तैयार करना।
- जरुरत पड़ने पर मदद/सहयोग लेना सीखना और जानना कि वह कहां से मिलेगा।

6. मानसिक/भावनात्मक, आर्थिक और शिक्षा की जरुरतों को पूरा करें।

- स्कूल और समुदाय के साथ मिल कर काम करें और ऐसे बच्चों की पहचान करें जो स्कूल नहीं जाते हैं। उन्हें स्कूल भेजने का प्रयास करें एवं उनके लिए वातावरण बनाएँ।
- स्कूली शिक्षा के विकल्प ढूँढे, जहाँ तक संभव हो, स्कूल के समय को लचीला बनाएँ जिससे काम काज़ी और सड़कों पर रहने वाले बच्चे भी उनका लाभ उठा सकें।
- जिन बच्चों ने स्कूल की पढ़ाई छोड़ दी हो अथवा ऐसे बच्चे जो हर रोज स्कूल नहीं जा पाते हों उनके लिए शिक्षा के नये तरीके सोचें और उन्हें क्रियान्वित करें।
- जो बच्चे बेघर हैं और जिनके पास मजदूरी के अलावा और कोई विकल्प नहीं है उनके मालिकों (Employers) को जागरुक बनाएँ जिससे वे बच्चों को स्कूल भेजें। बच्चों के शिक्षा के अधिकार को बढ़ावा देने के लिए नीति निर्धारकों के साथ पैरवी करें।
- पिछड़े हुए और बेघर बच्चों के लिए मनोरंजन एवं खेलने के लिए सुरक्षित जगहों का इन्तजाम करें।
- सामाजिक रुप से बहिष्कृत बच्चों के लिये व्यवसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध करवाएँ।
- सामाजिक रुप से बहिष्कृत बच्चे/युवा वर्ग अपना स्वयं का व्यवसाय शुरु कर सकें इसके लिए बचत एवं कर्ज (Loan) योजनाएँ शुरु करवाएँ।

एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम के लिये प्रभावशाली कार्यक्रम वह है जो:

- योग्य जानकारी दे। और जीवनोपयोगी शिक्षा दे।
- डर को दूर कर के यौन सम्बन्ध के योग्य पहलुओं पर प्रकाश डाले।
- यह समझाएँ कि यौन सम्बन्ध बांधने की सही उम्र क्या है और हमेशा सुरक्षित सम्बन्धों की ही पैरवी करे।
- रोल-प्ले, छोटे समूह में चर्चा आदि पद्धतियों द्वारा अपने स्कूल/समुदाय में जोखिम भरे व्यवहार के बारे में सिखाये।
- विविध सेवाएँ, जैसे परामर्श, कन्डोम की उपलब्धि आदि तक बच्चों की पहुँच आसान बनाएँ।

एब्रीवेशन

AIDS	Acquired Immunnodeficiency Syndrome
ANM	Auxiliary Nurse Midwife
ARV	Anti-retroviral drugs
BCC	Behaviour Change Communication
CDPO	Child Development Project Officer
CII	Confederation of Indian Industries
CSW	Commercial Sex Worker
FICCI	Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry
HAART	Highly Active Anti Retro-viral Therapy
HIV	Human Immunodeficiency Virus
IEC	Information, Education and Communication
ILO	International Labour Organisation
INPP	Indian Network of Positive People
IVDU	Intra-venous drug users
LHV	Lady Health Visitor
Male MPHW	Male Multi Purpose Health Worker
NACO	National AIDS Control Organisation
NCC	National Cadet Corp
NGO	Non-Governmental Organisation
NIPCCD	National Institute of Public Co-operation and Child Development
NSS	National Service Scheme
PLWHAs	People Living With HIV/AIDS
PPTCT	Prevention of Mother-to-Child Transmission (Parent-to-Child Tranmission)
RTI	Reproductive Tract Infections
SACS	State AIDS Control Society
STD	Sexually Transmitted Diseases
UNAIDS	United Nations AIDS Control Collaboration (World Bank, WHO, UNICEF, UNDP, UNFPA, UNIFEM, UNESCO, ILO)
UNGASS	United Nations General Assembly Special Session
VCCTC	Voluntary Confidential Counselling and Testing Centres
WIP	Women in Prostitution

एडिशनल रिसोर्स डायरेक्टरी

Andhra Pradesh

Vasavya Mahila Mandali
Benz Circle,Vijaywada-520010
Ph:0866-2473056, Fax:0866-2473056
Email:vasavya@cityonlines.com
Website: www.vasavya.com
Contact Person: Ms.G.Rashmi, Executive Director

Freedom Foundation-Secunderabad
21 Cariappa Road, Bolaram,
Secunderabad-500010
Ph:040-27862148/5530
Email:freedomfoundation1@rediffmail.com
Website:
www.thefreedomfoundation.org
Contact Person: Karl Sequeira, Executive Trustee

LEPRA India
P.B.No.1518 Krishnapuri Colony,
West Marredpally
Secunderabad-500 026
Ph:040-27802139, Fax: 040-27801391
Email: www.lepraindia.org
Contact Person: Dr. P.V. Ranganadh Rao, Chief Executive

PRAGATHI
13-182,Madhusudan Nagar Colony,
Malkjgiri, Hyderabad 500047
Ph:040-2706 4688/4047, Fax:040-2706 4047
Email:madhupragathi@rediffmail.com
Website: www.pragathi.org
Contact Person: Madhu J. Surender, Director

Action For Integrated Rural And Tribal Development Social Service Society
Vill.and P.O. Kattevaram,
Door No. 5-210,
South Colony, District Guntur-522295
Ph: 08644-225739,233755
Fax: 08644-224560
Email: airtds@sancvharnet.in, airtds@hotmail.com
Contact Person: Y. Sambasivrao, Secretary

Mother Teresa Amelioration Service Society
18-2-12,Orus, Subhash Nagar,Warangal
Ph:0870-2430572, Fax:0870-2420105
Email: raj_mass1@rediffmail.com
Contact Person: Raja Kumar Kalakotla

Arunachal Pradesh

Nani Sala Foundation
Arunachal Front Building,
Post Box No.202,Naharlagun,
Papumpare-791110
Ph:0360-224 4706, Fax:0360-2243334
Email:nanisala@rediffmail.com
Contact Person: Kojin Nani,Chairman

Assam

AIDS Prevention Society
Monaliv Clinic and AIDS Research centre,
Zoo Narangi Road, District Kamrup,
Guwahati-781021
Ph:0361-2410992/2504, Fax:0361-2263633
Email: siahmed60@hotmail.com
Contact Person: Dr. Syed Iftikar Ahmed,Chairman

Bihar

Jan Jagran Sansthan
Mohalla Kagzi,Bihar Sharif
District Nalanda, Bihar, Ph:06112-223261
Email:jjs_nalanda@sify.com
Contact Person: Yogendra Kumar Gautam, Secretary

Gramin Evam Nagar Vikas Parishad
15 I.A.S.Colony,Kidwaipuri, Patna 800 001
Ph:0612-2353935, Email:genvp@sify.com
Contact Person: Ram Kishor Prasad Singh, General Secretary

Delhi

MAMTA
33-A,Saidulajaib, M.B.Road,
New Delhi-110030
Ph:011-2685 8067, Fax:011-2652 5466
Email:mamta@ndf.vsnl.net.in
Website: www.mamta-himc.org
Contact Person: Dr.Sunil Mehra, Director

एडिशनल रिसोर्स डायरेक्टरी

ACTION INDIA (TRUST)
The Great Eastern Center, 70 Nehru Place,
New Delhi-110019
Ph:011-2620 9206, Fax:011-2620 9306
Email: actionindia@vsnl.net
Contact Person: Nafisa Ali, Chairperson

AIDS Education &Training Cell-all India Institute of Medical Sciences
Centre for Community Medicine,
All India Institute of Medical Sciences,
New Delhi-110 029, Ph:011-2658 8333,
Fax:011-2658 8663,
Email:birsingh43@hotmail.com
Website: www.aiims.ac.in
Contact Person: Dr.Bir Singh,
Co-ordinator and Additional Professor

India HIV/AIDS Alliance
E-26,1st Floor, Greater Kailash PartI,
New Delhi-110048
Ph:011-5163 3081-85 Fax:011-5163 3085
Email:allianceindia@vsnl.org
Website: www.allianceindia.org
Contact Person: Dr. Balwant Singh,
Director,India

PATHFINDER INTERNATIONAL
57 Friends Colony, (East),
New Delhi-110065
Ph:011-2691 0032/0042
Fax: 011-2691 0069
Email: rmasilamani@pathfind.org
Contact Person: Rekha Masilamani,
Country Representative

WOMEN'S ACTION GROUP-CHELSEA
B1714 West Jyoti Nagar, Shahadara,
Delhi-110 094
Ph:011- 2213 0451/0452,
Email:magoo@vsnl.com
Contact Person: Doe Nair, President

PRAYATN
E-103, Kalkaji, New Delhi
Ph: 26022489/419, Fax 26415831
Email: prayatn@mantraonline.com
Contact person: Ms. Renu Chopra (Director), Ms. Krishnakant (Project Co coordinator)

Child Survival India
33C-Z, Dilshad Garden, Delhi-110095
Ph: 27874740, Fax: 22112974
Email: csi_org@hotmail.com
Contact person: Ms. Deepa Bajaj (Chief Executive), Mr. Sheela Maan (Project Coordinator)

Navjyoti, Delhi Police Foundation
Vikas Bhawan, Sanjay Amar Coloney
Yamuna Pusta, Delhi-6
Ph: 23866312, Fax: 23866403
Email: navjyoti@vsnl.com
Contact person: Dr. Vipin (Project Director)

Society for Promotion of Youth and Masses (SPYM)
B-4/3054, Vasant Kunj, New Delhi-70
Phone: 26893872, Fax: 26896229
Email: spym@vsnl.com
Contact person: Dr. Rajesh Kumar (Director), Ms. Bilal (Project Coordinator)

Salam Baalak Trust
2nd floor, DDA Communitity centre,
Chandiwali Gali, Paharganj, New Delhi
Phone: 23513118
Email: salaambt@vsnl.com
Contact person: Mr. P.N.Misra (Director), Dushmanta Meher (Coordinator)

SHARAN
C-43 Niti Bagh, New Delhi
Phone 51642311/22, Fax: 26511917
Email: sharanindia@vsnl.com
Contact person: Mr. Greg (Project Coordinator), Ms. Savita (Project Officer)

Goa

ARZ
MHN 27/1, Behind Anthony Bar Baina Beach
Baina, Vasco Da Gama,
District Goa-403802
Ph:0832-2515353/9951
Email:arz@goatelecom.com
Contact Person: Zarine Chinvala, Director

एडिशनल रिसोर्स डायरेक्टरी

Positive People
Maithili Apartments, St. Inez,Panaji,
Dist.Goa (N)
Ph:0832-2431827, 2424396
Fax:0832-2232084
Email: ppeople@goatelecom.com
Website:www.goacom.com/community/positivepeople
Contact Person: John Pinheiro, Acting Executive Director

Gujarat

CHETNA
Lilavatiben Lalbhai's Bungalow, Civil Camp Road,
Shahibaug, Ahmedbad-380004, Gujarat
Ph: 079-22149938/22113005/22866695/22865636/ 22868856, Fax:079-22866513
E-mail:chetna@icenet.net
Website:chetnaindai.org
Contact Person: Ms. Minaxi Shukla

GAP (GUJARAT AIDS AWARENESS AND PREVENTION) Unit of ISRCDE
B/02 Siddha Chakra Apartment
Ellisbridge, Ahmedabad-380006
Ph:079-6575282; Fax:079-6575962
Email: gap@ad1.vsnl.net.in
Contact Person: Dr.Radium Bhattacharya

SHROFF'S FOUNDATION TRUST
At. and P.O. Kalali,
Taluka Baroda-390019
Ph:0265-22344002/22344061
Fax:0265-22330370
Email:sft@icenet.net
Contact Person: Shruti Atul Shroff, Managing Trustee

SAHAS
301,Meghani Towers, Station Road,
Surat-395003
Ph:0261-2423132, Fax:0261-2312310
Email:sahasorg@yahoo.co.in
Contact Person: Dr. Vibha Marfatia, Director

Haryana

WOMEN'S ACTION GROUP-CHELSEA
1543, Sector 29, Noida, District Gautam Budh Nagar-201302,
Email:magoo@vsnl.com
Contact Person: Doe Nair,President

Himachal Pradesh

Young Men's Christian Association
The Ridge,Shimla-171001
Ph:0177-265 2375/1492
Fax:0177-2811016
Email: ymcasimla@yahoo.co.in
Contact Person: Naresh Scott,General Secretary

Jammu and Kashmir

Government Medical College
Head of the Department-Microbiology, Jammu
Ph:0191-258 4290/4291

Government Hospital
Medical Supridentent, Leh,
District Ladakh
Ph:01982-252014

Jharkand

TATA STEEL: NODAL CENTRE-AIDS
Tata Steel Rural Development Society,
E-Road,
Northern Town, Jamshedpur,
District Singhbhum (E) 831001
Ph:0657-2431919
Email:dr.gardin@tatasteel.com
Contact Person: Dr. H.K.Gardin, In-Charge

Alternative for India Development
B-16, T.R.F, Housing Colony,
Harharguttu Jamshedpur,
District Singbhum (E)-831-002
Ph:0657 249 4361
Email:aidbihar@satyam.net.in
Website: www.aidjharkand.org
Contact Person: J.B.Pati,Project Manager

एडिशनल रिसोर्स डायरेक्टरी

Karnataka

ASHA Foundation
No.58, 3rd Main, S.B.M.Colony, Anand Nagar, Hebbai, Bangalore-560024
Ph:080-3332921, Fax:080-3332921
Email:ashaf@satyam.net.in
Website: www.ashaf.org
Contact Person: Dr. Glory Alexander, Chairperson

HOPE Foundation
No. 237, II B Main,8th Cross,
HIG Layout,
Raj Mahal Vilas Extension Stage II,
Bangalore-560094
Ph:080-3512304, Fax:080-3512642
Email: hopeaids@satyam.net.in
Contact Person: Dr. Manu Kulkarni,Chairman

JAGRUTHI
C3,Jyothi Complex, 2nd Floor,
134/1Infantry Road, Bangalore-560001
Ph: 080 286 0346
Email:jagru@vsnl.net
Contact Person: Renu Appachu, Managing Trustee and Director

THE KARNATAKA NETWORK OF PEOPLE LIVING WITH HIV/AIDS
113,1st Floor, 8th Main,15th Cross,
Wilson Garden, Bangalore-560030
Ph:080-2120409, Fax:080-2120410
Email:knpplus@vsnl.net
Website: www.livingwithhiv.net
Contact Person: Ramchandar Elango, President and Project coordinator

Kerala

DON BOSCO SNEHA BHAVAN
Palluruthy, Kochi, District Ernakulam-682006
Ph:0484-2231009
Email:snehabhavan@satyam.net.in
Contact Person: Fr. Mathew Thomas Panamkattu SDB, Executive Director

CEFAD-INTERVENTION FOR SEXUAL HEALTH PROJECT
Saroja Building, Near A.B.T. Parcel Service, Temple Road, Thodupuzha, District Idukki-685584
Ph:04862-226854
Email:bijukgeorge@yahoo.com
Contact Person: Soji James,Project Director

THRANI CENTER FOR CRISIS CONTROL @FIRM
(FOUNDATION FOR INTEGRATED RESEARCH IN MENTAL HEALTH)
TC 15/2479, Red Cross Road,
Thiruvananthapuram-693037
Ph:0471-2300333/0334
Email:thrani@asianet.com/
thrani@yahoo.com
Website: www.thrani.org
Contact Person: Dr. Elizabeth Vadakekara

Madhya Pradesh

CENTRE FOR INTEGRATED DEVELOPMENT
49 Ravi Nagar, A.K.V.N. Lane,
Gwalior-474002
Ph:0751-243 3343, 2322366
Email:cidgwl@yahoo.com/
cidgwl@rediffmail.com
Contact Person: Dr. Vijay Gupta, Honorary Secretary

Maharashtra

Cell for AIDS Research, Action and Training-Tata Institute of Social Sciences
D'Souza, Faculty, Department of Medical and Psychiatric Social Work and Director, Cell for AIDS Research, Action and Training
Department of Medical and Psychiatric Social Work, Tata Institute of Social Sciences, Deonar, Sion-Trombay Road, Mumbai-400 088
Ph:022 2556 3290, Fax: 022 2556 2912
Email:carat@tatainstituesocialsciences.edu
Website: www.geocities.com/caratinstitute
Contact Person: Brinelle

एडिशनल रिसोर्स डायरेक्टरी

HIV-AIDS Care and Research Foundation
Suraj Clinic, 90 Feet Road, Building No.6
Dhrutara Building,
Pntmazar,Ghatkopar(E)
Mumbai-400075
Ph:022 2510 9747,2516 5893
Fax:022 2516 3590
Email: Pcbora18@yahoo.com
Contact Person: Dr.Prakash Bora,Director

LAWYERS COLLECTIVE HIV/AIDS UNIT-MUMBAI
7/10,Botawalla Building, 2nd Floor,
Horniman Circle, Fort, Mumbai-400023
Ph: 022-22676213/6219
Fax:022-22702563
Email:aidslaw@vsnl.com
Website: www.lawyerscollective.org
Contact Person: Anand Grover,Project Director

VEER ARJUN YUVAK VIKAS MANDAL
Lane No. 4,Plot No. 23, Ward No. 76,
Vishwakarma Nagar, Nagpur-440 027
Ph:0712-274 2895
Contact Person: Deepak Gaikwad,Secretary

ANUSAYA SHIKSHAN PRASARAK MANDAL
Stadium Complex,Building No. 1,
Above Ramesh Optician, M.G.Road,
Nasik-422002
Ph:0253-2576058, 2311358
Fax:0253-2316053
Email: www.netsalahkar.com/arpan
Contact Person: Dr. C.R. Nampurkar

JOHN PAUL SLUM DEVELOPMENT PROJECT
Sry. No.2, Yerawada, Mother Teresa
Nagar, Pune-411006, Ph: 020-6690282,
Fax:020-6690282
Email: jpsdpin@yahoo.co.uk
Contact Person: Dr.George Swamy,President/Shashikant Bansode, Chief Project Coordinator

PRAYAS
Amrita Clinic,Sambhaji Bridge Corner
Karve Road, Pune-411004
Ph:020-5441230, 542-0337
Email:prayashealth@vsnl.net/
www.prayaspune.org
Contact Person: Dr. Vinay Kulkarni,Director

Vanchit Vikas
405/9 Narayan Peth, Behind Modi Ganpti
Temple, Pune-411030
Ph:020-448 3050, 445 4658
Fax: 020-448 3050
Contact Person: Vilas Chaphekar,Trustee

Manipur

SAHARA DRUGS AND AIDS PROGRAMME
Post Box No. 155,Lanva, Churachandpur,
Manipur-795 128
Ph: 03874-233 486/869
Fax:03874-233 486
Email: sahara_ccp@rediffmail.com
Contact Person: Charles Cardoz,Project Manager

Lifeline Foundation
Moirangkhom Sougaijam Leirak, Imphal
Ph:0385-222 4186/9766
Fax:0385-222 9766/2936
Email :lifeline1@sancharnet.in/
lifeline24@rediffmail.com
Contact Person: H.Raghumani Singh,Secretary

Meghalaya

NORTH EAST INDIA DRUGS AND AIDS CARE
Nongrimbah Road,Laitumkhiah, Shillong
District Khasi Hills(E)-793 003
Ph: 0364-2228241, 2505445
Fax: 0364-2227054
Email: neidac@cal.vsnl.net.in
Contact Person: D.Ratno, Director

एडिशनल रिसोर्स डायरेक्टरी

Orissa

FRIENDS ASSOCIATION FOR RURAL RECONSTRUCTION
N/6,404 Jayadev Vihar,Nayapalli, Bhubaneshwar
District Khurda-751 015
Ph:06670-230105, Fax: 06670-230105
Email: farrkld@yahoo.com
Contact Person: Aradhna Nanda,Secretary

ADVOCACY FOR AIDS, KNOWLEDGE AND SENSIBLE HEALTH
Mansa Nature Cure Centre, Block Colony,Ward No.2, Khariar,
P.O. Raj-Khariar,
Ditrict Nuapada, Orissa-766 107
Ph:06671-232131
Contact Person: Devendra Kumar Bagh, President-cum-Executive Director

Punjab

AIDS AWARENESS GROUP
27-D Sant Avenue, The Mall,Amritsar
Ph:0183-227 7822, Fax:0183-222 6248
Email: Rakeshbharti1@rediffmail.com
Contact Person: Dr. Rakesh Bharti, Founder President

Rajasthan

CARE India
D-148, A/2, Durga Marg, Banipark, Jaipur-302016
Ph: 0141-2206551/5123027
Fax:0141-2202975
Mobile:9829017282
Email: cbox-ra@careindia.org
Contact Person: Dr. Pramila Sanjay (Regional Programme Director)

Rajasthan State AIDS Control Society (R-SACS)
Health Directorate, Tilak Nagar, Jaipur-302016
Ph:0141-2383282
Contact Person: Dr. Alka Sharma (Dy. Director R-SACS)

FXB
A-69, Shanti Path, Near CISTEMS Computer Building, Tilak Nagar, Jaipur
Ph:0141-2621264; 2621077-88

India-Canada Collaborative HIV/AIDS Project (ICHAP)
Directrate Medical & Health, Swasthya Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur-302005
Ph: 0141-2380031-34, Fax:0141-2380035
Contact Person: Ms. Arunima & Kavita

Sikkim

AARIGAON SAMAJ SUDHAR MANDALI
Aarigaon,Yangthang, P.O.Langang, Geyzing, District Sikkim(W)-737111
Ph:03595-250 599
Contact Person: Yog Nath Sharma,President

Tamil Nadu

Rural Unit of Health and Social Affairs (RUHSA)
Christian Medical College & Hospital
RUHSA Campus P.O. 632209
Dist. Vellore, Tamilnadu
Ph: 04171-246254/51(O)
Fax:04171-246255
Email: abel_rajaratnam@hotmail.com, rajaratnamabel@yahoo.com
Contact Person: Dr.Abel Rajaratnam,Head of Department, RUHSA

CONCERN (ASHA NIVAS)
No.9,Rutland Gate V Street, Chennai-600006
Ph:044-28279311/9772
Fax:044-28278606
Email:ashanivas@vsnl.com
Website: www.ashanivas.com
Contact Person: Rev.Dr.Kurian Thomas,President/Director

Indian Network of People Living With HIV/AIDS
Flat No. 6, Kash Towers, 93, West Boag Road, T. Nagar, Chennai-600017
Ph:0442-4329580, Fax:044-24329582
Email:inpplus@vsnl.com
Contact Person: K.K.Abraham,President

एडिशनल रिसोर्स डायरेक्टरी

SOCIETY FOR AIDS AWARENESS AND PREVENTION
6/3A Pethichettipuram,2nd Street,Opposite Tiruppur Dyers Association,Rayapuram,Tirrupur District Coimbatore
Ph:0421-2209900, Fax:0421-2236054
Email: saaptrpur@hotmail.com
Contact Person:V.Kathiravan,President

HUMAN TRUST
55E, Type I, Block 5, Neyveli, Dist.Cuddalore-607803
Ph:04142 254-740
Contact Person: Suri Mohan,Founder

Palmyrah Workers Development Society
Crystal Street, Marthandam, Kanyakumari, District-629165
Ph:04651-273942, Ph:04651-270138
Email:pwdscare@eth.net,www.pwds.org
Contact Person: Mr.Reji Chandra, Director

Association for Integrated Rural Development, Ramanathapuram (AIRD-R)
1/960, Avvai Street, Bharathi Nagar, Ramanathapuram-625303
Ph: 04567- 230536, Res: 04567- 231115
Emai;: airdrmd@sancharnet.in
Contact person: Mr. R. Jeyakumar, Director

Association for Integrated Rural Development, Valliyoor (AIRD-V)
AIRD, 32-O/D, T.B. Road,Kamaraj Nager, Valliyoor-627117, Tirunelveli District.
Ph: 04637- 221509,
Email:airdvlr@yahoo.co.in
Mob: 94431- 72068
Contact person: Mr.V. Sathu, Secretary

BLOSSOM Trust
77, Sekkilar Street, Virdhunagar-625 001
Ph:04562-269236, 269238
Mob:9842118158
Email: blossomtrust@eth.net
Contact person: Ms. T. Mercy Annapoorni, Managing Trustee

Community Action for Social Transformation (CAST)
Poothathankudieruppu, Thiruviruthanpulli P.O.Cheranmahadevi-627 414
Ph:04634- 263355
Res:04635-260630
Mob: 9842110505,
Email:cast123@rediffmail.com
Contact person: Ms. P. Sucila Pandian, Director

The Salvation Army-Catherine Booth Hospital
Catherine Booth Hospital, Nagercoil-629 001
Ph: 04652- 272068, 275516,
Mob:9842132152
Email: bennygn@yahoo.co.in
Contact person: Major P. Suthanantha Dhas, Administrator, Mr.Benjamin Dhaya, Project Manager

Chevaliar J.L.P Roche Memorial Society
Derose Centre, Nehru Nagar, Old State Bank Colony, Tuticorin-628 002
Ph: 0461- 2346227, Mob: 9842146227
Contact person: Dr. J.Tagore Derose, Secretary

Centre for Social Reconstruction (CSR)
26 A/1 Beach Road, Near S. T. Hindu College Nagercoil-629 002, Ph:04652- 225949
Ph: Field office; 04651 270750
Email: csrnagar_ngc@sancharnet.in, csrnagar@yahoo.co.in
Contact person: Mr. T.S. Ramkumar, Director

PACHE Trust
Alawai Bhavanam, Plot No.- 42, Ponmeni Jeya Nagar, Near Jeevana School Bye Pass Road, Madurai-625 016
Ph:0452- 2381987; Fax:0452-2383542
Email:pache@eth.net
Contact person: Mr.P.Manoharan, Director

एडिशनल रिसोर्स डायरेक्टरी

Rural Education for Development (RED)
102, Peter Street, Idayangudi,
Thirunelveli-627651
Ph:04637-271462
Email:red-idayangudi@yahoo.co.in
Contact person: Mr.T. Muthunayagam, Secretary

Scientific Educational Development for Community Organisation (SEDCO)
76, Thaika Street, Sattankulam
Thoothukudi Dist.-628704
Ph: 04639- 266450, 266833,
Res:04652-229199
Email: sedco-india@yahoo.com,
sedcogeorge@yahoo.co.in
Contact person: Mr. F.X.R George, The Director

SEVANILAYAM
Rajathani.P.O, Aundi Patti, Theni Dt.
Ph: 04546- 249222, Fax: 04546- 249244
Mob: 98421-49244
Email: sevanila@sancharnet.in
sevanil@vsnl.com
Contact person: Mr. A Vijayaraman, Director

Society for Rural Development and Protection of Environment (SRDPE)
No. 1588/276, Periyakulam Road,
Allinagaram, Theni- 625 531
Ph: 04546- 254973
Mob: 94430-54973
Email: srdpeti@yahoo.com
Contact person: Mr. P.Murugan, Secretary

ANBALAYAM
Vairam Memorial Complex, Bye Pass Road,
Subramaniapuram, Trichy-620020
Ph:0431-2333102,
Email:anbalayam@usa.net
anbalayam2001@yahoo.co.in
Contact person: Mr. Senthil Kumar, Secretary

Centre for Action & Rural Education (CARE)
55, Kambar Street, Teacher's Colony,
Erode-638 011, Ph:0424-2274667
Email: carecharles@eth.net
Contact person: Mr. C. Charles Prabhu, Director

GRAMIUM
38, MBS Agraharam, Kulithalai,
Karur Dist.-639104
Ph:04323- 222842, 223709,
Email:gramnara@yahoo.co.in
Contact person: Mr. P. Narayanan, Director

Imayam Social Welfare Association
20, B.K.R. Nagar, Sathy Road,
Gandhipuram, Coimbatore-641012
Ph:0422-2527627
Res: 0422-2521917, Mobile: 98422-16292
Email:imayamiswa2002@yahoo.com
Contact person: Ms. A. Meenakshi, Secretary

Native Medicare Charitable Trust (NMCT)
5/39, Kalappanickenpalayam,
Somayampalayam P.O,
Coimbatore-641 108
Ph:0422-2401747, Mob:9843070456
Res:0422-2432235
Email: n_ative@sify.com
Contact person: Mr. A.S. Sankara Narayanan, Managing Trustee

Society For Serving Humanity (SSH)
Madurai Road, Sempatti-624707,
Dindigul Dt.
Ph:0451-2556405,
Email:mdu_ssha@sancharnet.in
britto_ssh@yahoo.com
Contact person: Mr. A. Britto Selvaraj, Secretary

Women's Organization in Rural Development (WORD)
442, Tiruchencode Road, Pallipalayam,
Erode-6
Namakkal District., Ph:04288-240212
Email: worded@eth.net,
word_ngo@yahoo.com
Contact person: Ms. M.Sarala, Coordinator

एडिशनल रिसोर्स डायरेक्टरी

GREEN VISION
4-48-2/3, Second Street (Opp: SBH)
Lawson's Bay Colony,
Visakhapatnam-530017
Ph:2559429, 2561801, 0891-2720573 (R)

Fax: 0891-2553093
E-Mail: prabha_kav@hotmail.com
Contact person: Dr. G. Prabhakar, President

ST. PAUL'S TRUST
Opp: MRO Office, Samalkot-533 440.
Ph: 0884-2327634 (O), 2327524 (Resi)
Fax: 2327800 (pp),
E-Mail: acfi@rediffmail.com,
kvnmurthy1979@yahoo.com
Contact person: Dr. K.I Jacob, President

SANGAMITHRA SERVICE SOCIETY
#74-14-52, Krishna Nagar,
Vijayawada-520007
Ph:0866-2554002, Fax: 0866-2554731
E-Mail: sanmitra@nettlinx.com
Contact person: Vani Sivaji, Secretary

NEEDS SERVING SOCIETY
P.B. No. 13, Near Electricity Office,
Gandhipet, Chilakaluripeta-522616,
Guntur District.
Ph: 08647- 253581, 251145,
Fax-PP:255070-251040
E-Mail: cheswarprasad@rediffmail.com,
needs_serving_society@hotmail.com
Contact person: Ch. Eshwara Prasad, Hon. Director/Secretary

Uttar Pradesh

Bharosa Trust
21/6/5 Peerpur House,
8 Tilak Marg, Lucknow 226 001
Ph: 0522 220 8689
Fax:0522 220 5267
Email: bharosatrust@yahoo.co.in
Website: www.bharosatrust.cjb.net
Contact Person: Imran Khan, Manager - Youth Programme

Naz Foundation International
Regional Liasion Office
9, Gulzar Colony, New Berry Lane,
Lucknow-226001
Ph.0522-2205787-2, Fax:0522-2205783
Email: lucknow@nfi.net
Contact Person: Arif Jafar, Director

LOK SMRITI SEWA SANSTHAN
95/53,Sarvodya Nagar, Allahpur, District Allahabad
Ph:0532-250 2323, Fax:0532-250 5518
Email:loksmriti@rediffmail.com
Contact Person: Rajesh Srivastav, Project Co-ordinator

MANAV SANSADHAN EVAM MAHILA VIKAS SANSTHAN
128,Lahartara,Shivdaspur,
Varanasi 221 002
Ph: 0542 237 2191
Fax:0542 220 3149
Email:msvs@rediffmail.com
Contact Person:Bhanuja Sharan Lal,Director

West Bengal

ALL INDIA INSTITUTE OF HYGIENE AND PUBLIC HEALTH
110 Chittaranjan Avenue,
Kolkatta-700073
Ph:033-22413831/2860
Fax: 033-2418717/2539
Email: debaprasadpal@hotmail.com
Contact Person: Dr. Debaprasad Pal, Professor and Head of the Department of Microbiology

CINI (Child In Need Institute)
Vill.Daulatpur, P.O. Pailan, Via Joka,
Kolkata-700104
Ph:033-24978192/8206, Email:
crc@cinindia.org
Contact Person: Dr.K. Pappu, Acting Director

बार बार पूछे जाते प्रश्न और उनके उत्तर

प्रश्न : एच.आई.वी. और एड्स में क्या अन्तर है?

उत्तर : एच.आई.वी. एक विषाणु का नाम हैं और एड्स वह स्थिति का नाम है जो शरीर में एच.आई.वी. के विषाणु की वजह से पैदा होती है। एच.आई.वी. हमारे शरीर में पाये जाने वाले टी-सेल्स को अपना निशाना बनाता है। ये टी-सेल्स हमारे शरीर के सुरक्षा तंत्र हैं जो रोग के कीटाणुओं से लड़ते हैं और हमारी रक्षा करते हैं। इसी वजह से हम हमेशा बीमार नहीं रहते। एच.आई.वी. का विषाणु जब इन टी-सेल्स को खत्म करता जाता है, तब शरीर में बहुत कम टी-सेल्स रह जाते हैं और हमें कई प्रकार के संक्रमणों का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति को एड्स कहते है।

प्रश्न : एच.आई.वी. का पता कैसे लगाया जा सकता है?

उत्तर : खून का परीक्षण करके एच.आई.वी. का पता लगाया जा सकता है। एच.आई.वी. के कई प्रकार के परीक्षण है। अधिकतर किए जाने वाले परीक्षण है -

1. एलीज़ा टेस्ट, 2. वेस्टर्न ब्लॉट टेस्ट

एच.आई.वी. एन्टीबॉडीज़ तीन महीनों के बाद ही खून में दिखती है, उससे पहले नहीं। इस समय को **विन्डो पीरियड** कहते हैं। यानि अगर आज एच.आई.वी. ने प्रवेश किया है तो वह तीन महीने तक परीक्षण में नहीं दिखेगा। इसका कारण यह है कि ये परीक्षण एच.आई.वी. एन्टीबॉडीज़ की जाँच करते हैं, एच.आई.वी. की नहीं। शरीर में एन्टीबॉडीज़ बनने में तीन महीने का समय लग जाता है। इसलिए पक्के नतीजे के लिए विन्डो पीरियड यानि एच.आई.वी. विषाणु के शरीर में प्रवेश के तीन महीने बाद ही परीक्षण करवाना चाहिए।

प्रश्न : एच.आई.वी. परीक्षण कहाँ किए जाते है?

उत्तर : एच.आई.वी. परीक्षण सरकारी या प्राईवेट अस्पतालों, क्लिनिकों में किये जाते हैं। आप किसी डॉक्टर से पूछताछ करके पता लगा सकते हो कि आपके विस्तार में कहाँ एच.आई.वी. की जाँच होती है। एच.आई.वी. परीक्षण के पहले और बाद में परामर्श लेना चाहिए।

प्रश्न : एड्स के क्या लक्षण हैं?

उत्तर : एड्स की स्थिति शरीर में एच.आई.वी. के विषाणु की वजह से आती है जिसमें कई प्रकार के संक्रमण होते है - जैसे टी.बी. कैन्सर, बुखार, इत्यादि। शरीर में प्रतिरोधक शक्ति के अभाव से धीरे-धीरे कई और बीमारियाँ शरीर में प्रवेश करने लगती है। सामान्यतः निम्नलिखित लक्षण देखने को मिलते हैं -

- अगर एक माह से ज्यादा समय से खाँसी या बुखार हो।
- अगर दस प्रतिशत से ज्यादा वजन कम हो जाए।
- अगर एक माह से ज्यादा समय से दस्त हो रहे हो।
- अगर शरीर पर दाग हो जिसमें दर्द न हो।

बार बार पूछे जाते प्रश्न और उनके उत्तर

- अगर शरीर पर बार-बार खुजली आए।
- बार-बार हरपेस झोअर हो।

प्रश्न : क्या एच.आई.वी./एड्स के लिए कोई दवाई है?

उत्तर : अभी तक एच.आई.वी. के इलाज के लिए कोई दवा नहीं बनी है पर खोज जारी है। इससे पूरी तरह बचा जा सकता है। ए.आर.वी. (ARV) से इसके प्रभाव को कम किया जा सकता है। इसे होने से रोकने के लिए किसी प्रतिबंधक टीके का भी अभी तक विकास नहीं हुआ है। इसलिए समुदाय से एच.आई.वी./एड्स के बारे में गलत धारणाएँ हटानी है, जागरुकता लानी है, सही जानकारी लोगों तक पहुँचानी है ताकि भेदभाव पूर्ण व्यवहार को कम किया जा सके।

प्रश्न : एच.आई.वी./एड्स से बचाव कैसे कर सकते हैं?

उत्तर : एच.आई.वी./एड्स से बचने के लिए निम्न बातों पर ध्यान दें -

1. सुरक्षित यौन सम्बन्ध
   - कम उम्र में यौन संबंध से बचे।
   - यौन साथी भरोसेमन्द हो।
   - यौन सम्बन्ध बराबरी वाले हो।
   - नशे की हालत में यौन सम्बन्ध न करें।
   - कन्डॉम का इस्तेमाल हर रिश्ते में बेहतर है।
   - एस.टी.डी. से बचे और इसका इलाज करवाएँ।
2. जहाँ तक सम्भव हो एच.आई.वी. से संक्रमित महिलाओं को गर्भधारण से बचना चाहिए।
3. सुरक्षित सुईयाँ
   - हमेशा नई, विषाणु रहित सुईयों का इस्तेमाल करें।
   - अगर आप नशीली दवाईयाँ ले रहे हो तो साथियों के दबाव में आकर एक दूसरे की सुईयों का प्रयोग न करें। अगर नई सिरिंज/सुईयाँ नहीं है तो पुरानी सुईयों को कम से कम 20 मीनट तक उबाले और फिर प्रयोग करें।
4. आवश्यकता पड़ने पर अपने रिश्तेदारों/सम्बन्धियों, पड़ोसियों से खून ले अथवा एच.आई.वी. की जाँच किया खून लें। ध्यान रखें कि किसी भी रक्तदाता का बिना जाँच किया हुआ खून न लें।

प्रश्न : एच.आई.वी./एड्स तथा एस.टी.डी. के बीच क्या संबंध है?

उत्तर : एच.आई.वी./एड्स और एस.टी.डी. वास्तव में बहुतायत में यौन संचरित रोग ही है। एस.टी.डी. के कारण एच.आई.वी. के संचार को बढ़ावा मिलता है,

बार बार पूछे जाते प्रश्न और उनके उत्तर

क्योंकि एस.टी.डी. के कारण श्लेष्मल झिल्ली, योनि स्त्राव आदि के द्वारा एच.आई.वी. आसानी से संचारित हो सकता है। यदि किसी को सिफलिस जैसे यौन रोग है तो एच.आई.वी. संक्रमण लगने से दस प्रतिशत ज्यादा जोखिम के अवसर होते हैं।

प्रश्न : क्या एच.आई.वी. मच्छरों के जरिए फैल सकता है?

उत्तर : नहीं, एच.आई.वी. सिर्फ मनुष्य जाती को ही हो सकता है। यह विषाणु मनुष्य के अलावा किसी भी दूसरे प्राणी में जीवित नहीं रह सकता, न ही विकसित हो सकता है और न ही दुगुना हो सकता है। इसलिए मच्छर उसके फैलने का कारण भी नहीं बन सकता।

प्रश्न : लोग एच.आई.वी. से क्यों इतना डरते हैं?

उत्तर : कई बार एच.आई.वी. से संक्रमित व्यक्तियों के साथ बुरा व्यवहार होता है, लोग उनसे मिलने-मिलाने से घबराते हैं, डॉक्टर/नर्स उनका इलाज करने से कतराते हैं। लोग उनसे व उसके परिवार वालों के साथ तरह-तरह का भेदभाव करते है। इस तरह की प्रतिक्रियाओं से एड्स का खतरा बढ़ता है और हमारे बीच में असुरक्षता, डर और तनाव पैदा होता है।

प्रश्न : क्या असुरक्षित यौन संबंध से एच.आई.वी. होता है?

उत्तर : अगर यौन साथी में से किसी एक को एच.आई.वी. का संक्रमण है तो असुरक्षित सम्बन्ध से एच.आई.वी. संक्रमण दूसरे साथी को भी लग सकता है, एक बार संक्रमित हुआ व्यक्ति फिर हरबार अपने साथी को यह संक्रमण दे सकता है।

प्रश्न : एच.आई.वी. से प्रभावित व्यक्ति ज्यादा तर युवावस्था में देखने को क्यों मिलते हैं?

उत्तर :

- युवा व्यक्ति, खास तौर से लड़के कम उम्र में ही अपनी यौनिकता को समझने और उसका जाहिर/खुलासा करने लगते हैं।
- लड़कियों की उम्र 18 साल की होने से पहले उनकी शादी कर दी जाती है। यानि ये सब मरजी से या जबरदस्ती छोटी उम्र में ही यौनिक रुप से सक्रिय हो जाती हैं। इन लड़कियों को एच.आई.वी./एड्स होने का खतरा और ज्यादा हो जाता है।
- जो लड़के, लड़कों/युवाओं के साथ यौनिक सम्बन्ध रखते हैं उनके लिए यह सबसे मुश्किल है क्योंकि वे अपने सम्बन्धों के बारे में किसी से बात नहीं कर सकते क्योंकि बहुत से लोग समलैंगिकता को गलत मानते हैं और

बार बार पूछे जाते प्रश्न और उनके उत्तर

उन्हें चोरी-छुपे प्रेम करने को, खामोश रहने को मजबुर करते हैं। स्कूलों में यौन/प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में बात ही नहीं की जाती। इस खामोशी की वजह से गलत जानकारी और गैर-मान्यताएँ फैलती है।

- नशीली दवाईयों के खतरे में भी युवा वर्ग ज्यादा पड़ते हैं, कभी किसी के बहकावे में आकर, कभी आनंद में, उत्तेजना की खोज में, कभी परेशानियों से दूर भागने के लिए और कभी मर्द कहलवाने के लिए।
- आजकल युवा लोग कन्डॉम खरीदने, यौन और एच.आई.वी./एड्स के बारे में जानकारी लेना चाहते हैं तो भी डरते हैं क्योंकि लोग कहेंगे, अच्छा बच्चू अभी से चालू हो गए। शर्म और डर की वजह से वह कन्डॉम नहीं ले पाते।
- जिन्हें सबसे ज्यादा खतरा है वे हैं बाल मजदूर, बच्चियाँ जिन्हें यौन व्यापार में झोंक दिया जाता है और बच्चे जो सड़कों पर रहते हैं।

प्रश्न : किसी एक व्यक्ति को एड्स है ऐसी जानकारी मिलने पर उसकी ओर पारिवारिक व सामाजिक दृष्टिकोण कैसा होना चाहिए?

उत्तर : इस रोग से सम्बन्धित भय एवं शर्म की भावना को दूर कर परिवार व मित्रों का सहयोग एवं सदभावना मिलना, एच.आई.वी. से प्रभावित व्यक्ति के लिए आवश्यक है। दैनिक दिनचर्या से इस रोग का दूसरे व्यक्ति में फैलना संभव नहीं है। अतः एच.आई.वी. से प्रभावित व्यक्ति को नौकरी से निकाल देना उसके लिए मानसिक दबाव एवं पारिवारिक कलंक का कारण बनेगा। साथ ही सामाजिक बहिष्कार के ड़र से यह व्यक्ति परीक्षण एवं उपचार के लिए सामने नहीं आएगा और समाज में यह रोग फैलता रहेगा। अतः एच.आई.वी. से प्रभावित व्यक्ति को घर, परिवार एवं समाज की सहानुभूति, प्यार एवं मदद चाहिए। एड्स से प्रभावित व्यक्ति से यदि सहानुभूति के साथ बर्ताव किया जाए तो उसे अन्य लोगों से कैसा बर्ताव करना है, इस जिम्मेदारी का अहसास होगा और वह गलत मार्ग छोड़ कर सही रास्ते पर आ सकता है।

प्रश्न : एच.आई.वी./एड्स के लिए क्या योजनाएँ चल रही हैं?

उत्तर : 1. राष्ट्रीय स्तर पर यह जानकारी नेशनल एड्स कन्ट्रोल ऑर्गेनाईझेशन (NACO) नई दिल्ली से मिल सकती है और राज्य/जिला/शहर स्तर पर स्टेट एड्स कन्ट्रोल सोसायटी (SACS) से मिल सकती है। सभी राज्य में एक एस.ए.सी.एस. है जो इस मुद्दे पर कार्य कर रही है।

2. एच.आई.वी./एड्स के बारे में जानकारी के लिए उपलब्ध दूसरी संस्थाओ के बारे में ओवरव्यू पुस्तिका के एडिशनल रीसोर्स विभाग में सूची दी गई है।

बार बार पूछे जाते प्रश्न और उनके उत्तर

3. 1, अप्रैल, 2004 से कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गोवा और मणीपुर राज्यों में मुफ्त एन्टी रीट्रोवाईरल (ARV) से इलाज मिलना शुरु हुआ है। इसके लिए सरकारी अस्पतालों से ज्यादा जानकारी मिल सकती है।

प्रश्न : क्या एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित व्यक्ति को देखकर पहचाना जा सकता है?

उत्तर : किसी भी व्यक्ति के सिर्फ शरीर को देखकर यह नहीं कहा जा सकता कि वह व्यक्ति एच.आई.वी. से ग्रसित है या नहीं। एच.आई.वी. के विषाणु व्यक्ति के शरीर में कई वर्षो तक बिना किसी लक्षण या संकेत दिए रह सकते है। सिर्फ खून की जाँच करके ही यह पता लगाया जा सकता है कि उस व्यक्ति को एच.आई.वी. का संक्रमण है अथवा नहीं।

फीडबैक फॉर्म

HIV/AIDS पर कार्य कर रहें सामुदायिक कार्यकर्ताओं के लिए बनाई गई गाइड के लिए

यह गाइड समुदाय में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को ध्यान में रख कर बनाई गई है।

- इस गाइड की मदद से उपयोगकर्ता एच.आई.वी./एड्स के बारे में खुद सीख पायेंगे, यह जानकारी दूसरों तक पहुँचा पायेंगे और इससे सम्बन्धित गतिविधियों को बच्चों के साथ समुदाय में क्रियान्वित कर पायेगे।
- समुदाय में स्व-सहायता समूह और समाज सहायता समूह बना कर उसकी पैरवी करें।

इस फॉर्म को भर कर अपना अभिप्राय दीजिए और इसे नीचे दिये गये पते पर अवश्य भेजें। _____

आपकी संस्था का नाम/पता तथा कार्यक्षेत्र : _____

_____

_____

_____

उपयोगकर्ता का नाम और पद : _____

_____

उपयोग की गई पुस्तिकाओं की संख्या और नाम : _____

_____

इस पुस्तिका के बारे में नीचे दिये गए बिन्दुओं पर आपके अभिप्राय लिखिए।

भाषा : _____

_____

विषय वस्तु : _____

उदाहरण : _____

_____

चित्र : _____

_____

समुदाय के कार्यकर्ता के लिए उपयोगिता _____

_____

एच.आई.वी./एड्स के बारे में बार-बार पुछे जाने वाले प्रश्न अगर आपके ध्यान में हैं तो बताएँ।

सेन्टर फॉर हेल्थ एज्युकेशन, ट्रेनिंग एण्ड न्यूट्रीशन अवेयरनेस
लीलावतीबेन लालभाई का बंगला सिविल केम्प रोड़, शाहीबाग, अहमदाबाद-380004, भारत। Phone: +91-79 - 22866635, 2868856, 2865636 Fax: +91-79-22866513, 22113005 Email:chetna@icenet.net, website:chetnaindia.org

टीप्पणी

टीप्पणी

जीना, शिक्षा, सुरक्षा और सहभागीता मेरे अधिकार है।

इंडिया एच.आई.वी./एड्स एलायन्स

इंडिया एच.आई.वी./एड्स एलायन्स (एलायन्स इंडिया) अंतरराष्ट्रीय एच.आई.वी./एड्स एलायन्स का एक भाग है और इसका नीतिगत उद्देश्य भारत में एड्स के प्रति सामुदायिक प्रयासों को बढ़ाना तथा एड्स के निवारण, देखभाल और उसके प्रभाव को कम करने वाले प्रयासों को लोगों तक पहुँचाना है। इंडिया एलायन्स समुदाय केन्द्रित प्रभावी एड्स प्रयासों का व्याप बढ़ा कर, सुदृढ़ नेतृत्व और सिविल सोसायटी की एड्स के लिए प्रतिक्रिया हेतु क्षमता विकास तथा सामुदायिक एड्स प्रतिक्रियाओं के लिए प्रतिबद्ध है। एलायन्स संस्थागत संगठनात्मक और नीति सम्बन्धी परिस्थितियों में सुधार के माध्यम से एड्स की समस्या को सम्बोधित करता है।

इंडिया एलायन्स की नीतिगत प्राथमिक्ताओं में घर तथा समुदाय आधारित देखभाल व सहायता, एड्स प्रभावित बच्चे, एच.आई.वी./एड्स के साथ जी रहे लोगों की सकारात्मक और अर्थपूर्ण सहभागिता, विभिन्न समुहों के साथ रोकथाम कार्यक्रम तथा किये गये प्रयासों की निरंतरता शामिल है।

इंडिया एलायन्स दिल्ली, आंध्रप्रदेश तथा तमिलनाडु राज्यों में चार लीड पाटनर्स तथा 50 से अधिक गैर-सरकारी संगठनों को तकनीकी, योजनाविषयक, संगठनात्मक विकास सम्बन्धी तथा वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

इंडिया एलायन्स व सभी साथी संस्थाएँ भारत में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम को मद्देनजर रखते हुए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), राज्य एड्स नियंत्रण समीतियों तथा अन्य मुख्य भागीदारों के सहयोग से कार्य करते हैं।